दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-108 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) गुरूवार 04 जून 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

मालवीय नगर अग्निकांड में 21 की मौत, कई घायल

नई दिल्ली(ए.)। मालवीय नगर इलाके में बुधवार को सुबह एक रेस्टोरेंट में आग लगने की घटना में 21 लोगों की मौत हो गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका दो अस्पतालों में इलाज चल रहा है। इस घटना में घायल 39 मरीजों को मैक्स और 13 मरीजों को एम्स में भर्ती कराया गया, जिनमें बड़ी संख्या में लोग गंभीर रूप से प्रभावित हैं। मैक्सअस्पताल प्रशासन के अनुसार 18 मरीजों को अस्पताल लाने पर ही मृत घोषित कर दिया गया। वहीं 15 मरीजों का आईसीयू में इलाज चल रहा है, जिनमें से 8 मरीज वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं और उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।5 मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद मामूली चोटों के चलते छुट्टी दे दी गई, जबकि एक गंभीर रूप से झुलसे मरीज को बेहतर इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में भारतीय और विदेशी- दोनों तरह के नागरिक शामिल हैं। ये सभी मृतक 80 फीसदी झुलस गए थे।अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संदीप बुधिराजा ने मीडिया को बताया कि वेंटिलेटर पर रखे गए मरीजों की स्थिति बेहद नाजुक है। ऐसे मरीजों की संख्या लगभग 7-8 है।उन्होंने कहा कि मरीजों की उम्र 30 से 50 साल के बीच हैय् अधिकांश मामलों में गंभीर जलन के साथ-साथ फेफड़ों को नुकसान हुआ है।

मालवीय नगर अग्निकांड में दिल्ली पुलिस ने दर्ज किया गैर इरादतन हत्या का मामला

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली पुलिस ने मालवीय नगर अग्निकांड में गैर इरादतन हत्या और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, जिसमें 21 लोगों की जान चली गई है। सूत्रों के अनुसार, होटल मालिक की पहचान लोकेश बजाज के रूप में की गई है। होटल के संचालन में तीन साझेदार शामिल हैं और उनके पास शहरभर में कई अन्य होटल और गेस्ट हाउस भी हैं। पुलिस और अन्य जांच एजेंसियां होटल के स्वामित्व, संचालन और सुरक्षा मानकों से संबंधित पहलुओं की जांच कर रही हैं। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, अग्निकांड में मारे गए 21 मौतों में से 17 विदेशी नागरिक हैं। इनमें से ज्यादातर लाइबेरा, नाइजीरिया, मोजाम्बिक और बांग्लादेश से हैं।

शिक्षक भर्ती घोटालाः अभिषेक बनर्जी को ईडी का समन, 15 जून को पूछताछ के लिए बुलाया

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर बड़ी हलचल तेज हो गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक टीम कोलकाता में अभिषेक बनर्जी के घर पहुंची। ईडी के अधिकारियों ने उन्हें प्राइमरी टीचर भर्ती घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में समन दिया है। अधिकारियों ने बताया कि अभिषेक बनर्जी को 15 जून को जांच में शामिल होने के लिए बुलाया गया है। इस दिन उन्हें जांच एजेंसी के सामने पेश होकर सवालों के जवाब देने होंगे। यह पूरा मामला प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती में हुई कथित गड़बड़ियों और अवैध लेनदेन से जुड़ा है।

जम्मू : जम्मू में, कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने डीजल और पेट्रोल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के खिलाफ एक विरोध रैली आयोजित की।

प्रदेश में शीघ्र लागू होगी समान नागरिक संहिता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जनजातीय समुदाय के रीति-रिवाजों को रखा जाएगा यूसीसी से अलग

दो साल में प्रारंभ किये प्रदेश में 7 नए मेडिकल कॉलेज

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश में एक निशान, एक विधान और एक कानून लागू हो, इस राष्ट्रीय भावना में कुछ भी गलत नहीं है। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को देश के 3 राज्यों ने पहले ही लागू कर दिया है। हमारी सरकार भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। शीघ्र ही मध्यप्रदेश भी देश का यूसीसी लागू करने वाला राज्य बन जाएगा। इसके लिए हमने उच्चतम न्यायालय की रिटायर्ड जज न्यायमूर्ति श्रीमती रंजना देसाई की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीति गठित कर दी है। यह समिति जिला स्तर पर सभी वर्गों से उनकी राय ले रही है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी जनजातीय समुदाय को यूसीसी से पृथक रखा जाएगा। उन्हें अपने पारम्परिक रीति-रिवाज मानने की स्वतंत्रता होगी। गुजरात में भी इसी प्रकार का प्रावधान लागू किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित इंडिया@ 2047 कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति योग्य है, तो सरकार जाति, धर्म और समुदाय से ऊपर उठकर कार्य करती है। आज जनजातीय वर्ग से आने वाली श्रीमती द्रोपदी मुर्मु देश के राष्ट्रपति पद की शोभा बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि हम मध्यप्रदेश में यूसीसी लागू करने के लिए खुले विचार और खुले हृदय के साथ काम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम मध्यप्रदेश को सभी क्षेत्रों में अव्वल राज्य बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रहे हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैश्विक स्तर पर ईंधन की चुनौती के दौर में प्रधानमंत्री डॉ. नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर हमारी सरकार ने पर्यावरण और ईंधन को बचाने के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) खरीदा है। अब वे ईवी से ही यात्रा करेंगे। यह पर्यावरण अनुकूल वाहन (ईवी) ईंधन के संरक्षण के साथ-साथ वायु प्रदूषण को भी रोकने में कारगर है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है। ग्रामीण आबादी को दूध उत्पादन, पशुपालन और आधुनिक खेती से जोड़ने के लिए प्रयास किए गए हैं। गांव-गांव तक बिजली, पानी और सड़कों का विकास हुआ है। पिछले साल सरकार ने औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए काम किया। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपए का निवेश आया है। प्रदेश के इंडस्ट्रियल पार्कों में यूनिट्स खुल गईं और लोगों को रोजगार के अवसर मिलने लगे हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस -2025) में 30 लाख करोड़ रुपए के एमओयू साइन हुए थे। इसमें से अब तक करीब 30 प्रतिशत निवेश धरातल पर नजर आ रहा है। यह राज्य सरकार का बड़ी सफलता है।

पटियाला हाउस कोर्ट में पेश हुई जैकलीन, मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से किया इनकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। 200 करोड़ रुपए के चर्चित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बुधवार को बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में पेश हुईं। जैकलीन ने अदालत में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह गलत हैं। वह बेगुनाह हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह न्यायपालिका पर भरोसा रखती हैं।

क्राइम ब्रांच ने 131 बांग्लादेशियों को किया गिरफ्तार, पूछताछ जारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। गुजरात पुलिस और क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद में गैर-कानूनी तरीके से रह रहे बंगलादेशी नागरिकों के खिलाफ बड़ा अंडरकवर ऑपरेशन शुरू किया है। मंगलवार देर रात (2 जून) शुरू हुए इस मेगा ड्राइव एजेंसियों के लिए एक बड़ी कामयाबी रही। यह ऑपरेशन अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और लोकल पुलिस स्टेशनों की अलग-अलग टीमों ने मिलकर प्लान किया था। इसका मकसद शहर में किसी भी बड़ी एंटी-नेशनल एक्टिविटी को रोका जा सके साथ ही गैर-कानूनी तरीके से रह रहे लोगों का पता लगाया जा सके। क्राइम ब्रांच की टीमों ने खास तौर पर उन इलाकों को टारगेट किया, जो बांग्लादेशी घुसपैठियों के गढ़ माने जाते हैं। जिसमें, चंदोला झील, गुलाबनगर और दानिलिमडा के खोडियारनगर के आसपास के झुग्गी-झोपड़ियों वाले इलाके शामिल थे। पुलिस वैन को अचानक आते देख इन इलाकों में भारी भगदड़ और हंगामा मच गया। सरकारी कागजात और सबूतों की डिटेल में जांच शुरू की गई।ऑपरेशन के दौरान गिरफ्तार किए गए सभी 291 संदिग्धों को तुरंत पुलिस गाड़ियों में अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के कैंपस लाया गया। फिलहाल, इन सभी संदिग्धों और बांग्लादेशी होने की पुष्टि हुए 131 नागरिकों को क्राइम ब्रांच की कस्टडी में रखा गया है।क्राइम ब्रांच की स्पेशल टीमें हिरासत में लिए सभी लोगों के भारत में रहने के कानूनी सबूतों की जांच कर रही है।

कर्नाटक के 25वें मुख्यमंत्री बने डीके शिवकुमार, भव्य समारोह में ली शपथ

बेंगलुरु(आरएनएस)। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने बुधवार को राज्य के 25वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। बेंगलुरु स्थित लोक भवन परिसर के ग्लास हाउस में आयोजित भव्य समारोह में राज्यपाल थावरचंद्र गहलोत ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। समर्थकों के नारों के बीच डी.के. शिवकुमार मंच पर पहुंचे और सबसे पहले अपने आध्यात्मिक गुरु माने जाने वाले श्री वीर गंगाधर स्वामीजी (अज्जैया) के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद, उन्होंने संविधान की प्रति हाथ में लेकर पद और गोपनीयता की शपथ ली तथा वीर गंगाधर अज्जा का स्मरण किया। शपथ ग्रहण समारोह की शुरुआत 'वंदे मातरम्' के साथ हुई। इसके बाद कर्नाटक राज्य पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया और राज्य गीत भी बजाया गया।

ममता और अभिषेक के खिलाफ बगावत पर उतरे पार्टी के 58 विधायक

तृणमूल के बागी ऋतब्रत बंद्योपाध्याय बने बंगाल विधानसभा के नए नेता प्रतिपक्ष

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के रण में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस का किले के ढहते ही उनके अपनों ने भी चंद दिनों में उनका साथ छोड़ दिया। पार्टी से निष्कासित विधायकों ने ममता और अभिषेक बनर्जी के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंक दिया है, जिससे राज्य का राजनीतिक तापमान पूरी तरह बढ़ गया है। आज एक बार यह कहावत बंगाल की राजनीति में सटिक साबित हुआ कि, राजनीति में कब क्या हो जाए कुछ नहीं कहा जा सकता है। तृणमूल के अंदरखाने में मचे इस घमासान के बीच बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी ने टीएमसी के 58 विधायकों का मजबूत समर्थन प्राप्त होने का बड़ा दावा ठोक दिया है,

जिसके चलते विधानसभा का पूरा नंबर गेम अचानक बदल गया है। उपरोक्त बागी विधायकों के समर्थन पत्र के बाद विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस ने भी तृणमूल कांग्रेस पार्टी से निष्कासित नेता ऋतब्रत बंद्योपाध्याय को आधिकारिक तौर पर नेता प्रतिपक्ष की मान्यता दे दी है। इसके साथ ही विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का कमरा भी उनके लिए खोल दिया गया है।

आज दोपहर को करीब 35 बागी विधायकों ने सशरीर उपस्थित होकर विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) रथींद्र बोस को कुल 58 विधायकों के हस्ताक्षर वाली चिट्ठी सौंपी थी। इस बहुमत को स्वीकार करते हुए स्पीकर ने ऋतब्रत बंद्योपाध्याय के नाम पर मुहर लगा दी है। मान्यता मिलने के तुरंत बाद विधानसभा परिसर में नेता प्रतिपक्ष का आधिकारिक कमरा खोलकर उन्हें सौंप दिया गया। ऋतब्रत बनर्जी ने घोषणा की है कि अखरुज्जमान को विधानसभा में मुख्य सचेतक नियुक्त किया गया है। चार सदस्यों को उप-नेता जावेद अहमद खान, सबीना यास्मीन, शिउली साहा और संदीपान साहा को नामित किया गया है। यह घटनाक्रम सीधे तौर पर टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी व उनके भतीजे अभिषेक के फैसलों को बड़ी चुनौती है।

सरकार ने प्रदेश को विकास के बजाय बदनामी दीः अखिलेश यादव

लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर भ्रष्टाचार, बदहाल बुनियादी सुविधाओं और शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में

विकास की बजाय अव्यवस्था और घोटालों का माहौल है। उन्होंने दावा किया कि सड़क, शिक्षा, रोजगार और निवेश जैसे मुद्दे वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रमुख विषय बनेंगे और जनता इन सवालों पर सरकार से जवाब मांगेगी। अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि सरकार ने प्रदेश को विकास के बजाय बदनामी दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार और लूट व्याप्त है, जिसका असर प्रदेश की छवि पर भी पड़ रहा है। उन्होंने आगरा का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया भर से आने वाले पर्यटक ऐतिहासिक धरोहरों को देखकर प्रभावित होते हैं, लेकिन खराब सड़कों और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति प्रदेश की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े करती है। सपा प्रमुख ने कहा कि पर्यटन, होटल, गाइड, टैक्सी, टूर ऑपरेटर, हस्तशिल्प, पेठा और जूता उद्योग जैसे क्षेत्रों पर आर्थिक सुस्ती का असर दिखाई दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि खराब आधारभूत ढांचा और प्रशासनिक व्यवस्थाएं निवेश के माहौल को भी प्रभावित कर रही हैं।अखिलेश यादव ने शिक्षा के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि यदि किसी शैक्षणिक संस्थान से जुड़े निर्माण या प्रशासनिक स्तर पर कोई अनियमितता हुई है तो उसकी जवाबदेही संबंधित अधिकारियों और विभागों की भी तय होनी चाहिए।

बेंगलुरु : बेंगलुरु के हवाई अड्डे पर, विपक्ष के नेता राहुल गांधी का कर्नाटक के मुख्यमंत्री-पद-नामित डी.के. शिवकुमार द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

समझौते के बाद नहीं चलाया जा सकता क्रिमिनल केस, लोन डिफॉल्टरों पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि अगर बैंक और कर्जदार लोन खाते के निपटारे के लिए समझौता कर लेते हैं तो उसके बाद लोन डिफॉल्टर के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही जारी नहीं रखी जा सकती। अदालत ने चेतावनी दी कि ऐसी कार्यवाही को अनुमति देना न केवल दमनकारी होगा बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर डालेगा।जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने एक बिजनेसमैन की याचिका स्वीकार करते हुए उसके खिलाफ चल रहे आपराधिक मामले को रद कर दिया। बेंच ने कहा कि बैंकिंग लेन-देन मूल रूप से व्यावसायिक मामला होता है। जब दोनों पक्ष आपसी समझौते से विवाद सुलझा लेते हैं तो बाद में आपराधिक केस चलाना अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग है।इस मामल में बिजनेसमैन ने डेब्ट रिकवरी ट्रिब्यूनल (D RT) के सामने बैंक के साथ समझौता किया था।

खान सर के कोचिंग सेंटर के बाहर फायरिंग, गार्ड की पिटाई; तीन लोग गिरफ्तार

पटना (आरएनएस) बिहार की राजधानी पटना में चर्चित शिक्षक खान सर के कोचिंग संस्थान में तोड़फोड़ और गार्ड के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में ज्ञान बिंदु कोचिंग के निदेशक रौशन आनंद भी शामिल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार कोचिंग सेंटर के बाहर फायरिंग भी हुई है।पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार की रात में करीब 10:10 बजे कदमकुंआ थानांतर्गत खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग संस्थान पर कुछ लोगों द्वारा पथराव एवं तोड़फोड़ किए जाने के संबंध में सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई।घटनास्थल

पर आसपास के लोगों से पूछताछ करने एवं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को देखने के बाद पुलिस को यह जानकारी मिली कि पास के ही ज्ञान बिंदु कोचिंग संस्थान से जुड़े 15 से 20 लोगों द्वारा पथराव एवं तोड़फोड़ किया गया है। पुलिस ने साफ कर दिया कि सीसीटीवी फुटेज को देखने के बाद स्पष्ट है कि फायरिंग नहीं की गई है।पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना के दौरान कोचिंग में कार्यरत गार्ड के साथ मारपीट भी की गई थी, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग के एक कर्मचारी द्वारा एक प्राथमिकी संबंधित थाना में दर्ज कराई गई है।इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ज्ञान बिंदु कोचिंग के निदेशक रौशन आनंद और तोड़फोड़ में पहचाने गए अभिषेक और गौरव की गिरफ्तारी की है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस मामले में शामिल अन्य चार-पांच लोगों की भी पहचान कर ली गई है।

शहरों को प्रकृति से जोड़ने का सशक्त ब्लू-प्रिंट है 'नगर वन योजना': मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जन-भागीदारी और नवाचारों से पर्यावरण संरक्षण और सतत शहरी विकास का मॉडल बन रहे नगर वन 3141 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित 94 नगर वन और वाटिकाएं बन रहीं हरित विकास की पहचान

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में हरित एवं सतत शहरी विकास को नई दिशा मिली है। वन विभाग द्वारा संचालित 'नगर वन योजना' जन-भागीदारी आधारित मॉडल के रूप में विकसित होकर पर्यावरण संरक्षण और शहरी विकास के बीच संतुलन स्थापित करने की प्रभावी पहल बन गई है। वन विभाग 'नगर वन योजना' को जन-आंदोलन का स्वरूप देते हुए इसे जन-भागीदारी आधारित मॉडल के रूप में विकसित कर रहा है। शहरी विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में 'नगर वन योजना' एक दूरदर्शी और प्रभावशाली पहल के रूप में उभरकर सामने आई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण, घटते हरित आवरण और बढ़ते पर्यावरणीय दबावों के बीच यह योजना शहरों को प्राकृतिक हरियाली से जोड़ने का एक सशक्त ब्लू-प्रिंट है।पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा वर्ष 2020 में प्रारंभ की गई इस योजना के अंतर्गत नगर वनों और नगर वाटिकाओं का विकास कर शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ, स्वस्थ और पर्यावरण-अनुकूल वातावरण निर्मित किया जा रहा है। प्रदेश के प्रमुख शहरों और जिला मुख्यालयों के समीप विकसित किए जा रहे नगर वन, नागरिकों को प्राकृतिक वातावरण का अनुभव कराने के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित भी कर रहे हैं। योजना का प्रमुख उद्देश्य शहरों में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाने के साथ शहरवासियों को प्रकृति के करीब लाकर पर्यावरण जागरूकता और इको-टूरिज्म को भी बढ़ावा देना है।यह योजना केवल पौध-रोपण तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य नागरिकों, विद्यार्थियों और स्थानीय समुदायों को प्रकृति से जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना भी है। 'नगर वन योजना' से शहरों में हरित क्षेत्रों का विस्तार, वायु प्रदूषण में कमी, शहरी तापमान के दुष्प्रभावों पर नियंत्रण तथा जैव-विविधता संरक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह पहल नागरिकों को मनोरंजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रकृति के साथ आत्मीय जुड़ाव के लिए हरित सार्वजनिक स्थल उपलब्ध करा रही है।

प्रदेश में 94 नगर वन और वाटिकाओं का विकास

'नगर वन योजना' में प्रदेश में अब तक 94 नगर वन एवं नगर वाटिकाओं के विकास को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। इनका कुल क्षेत्रफल लगभग 3141 हेक्टेयर है। योजना का विस्तार प्रदेश के विभिन्न वन वृत्तों और जिलों में किया गया है, जिससे शहरी क्षेत्रों में हरित अवसंरचना का व्यापक नेटवर्क विकसित हो रहा है।योजना में विकसित किए जा रहे नगर वनों में पौध-रोपण, फेंसिंग, मिट्टी और नमी संरक्षण कार्य, जन-उपयोगी संरचनाएं, मनोरंजन सुविधाएं तथा पर्यावरण शिक्षा से जुड़ी गतिविधियों को समाहित किया गया है।

भोपाल में 11 परिसरों में पकड़ी गई बिजली चोरी

भोपाल (निप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भोपाल शहर संभाग पूर्व अंतर्गत चांदबढ़ जोन में बिजली चोरी की शिकायतों एवं स्मार्ट मीटरों से प्राप्त संकेतों के आधार पर विशेष जांच अभियान में कार्रवाई की गई। विजिलेंस ऐप में दर्ज मामलों के आधार पर 11 परिसरों में बिजली चोरी पकड़ी गई।जांच में कुल 11 परिसरों में विद्युत पोल से सीधे तार जोड़कर अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए विद्युत चोरी पाई गई। सभी मामलों में नियमानुसार पंचनामा तैयार कर विद्युत अधिनियम 2003 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। कंपनी ने बताया कि स्मार्ट मीटर एवं डिजिटल निगरानी प्रणालियों के माध्यम से विद्युत चोरी पर लगातार नजर रखी जा रही है। विद्युत चोरी की रोकथाम एवं राजस्व संरक्षण के लिए ऐसे विशेष जांच अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे वैध विद्युत कनेक्शन का उपयोग करें तथा किसी भी प्रकार की विद्युत चोरी या अनियमितता से बचें।

मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य समय-सीमा में पूरा करें : सचिव राज्य निर्वाचन आयोग

फोटोयुक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 18 जून को होगा

भोपाल (निप्र)। मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य समय-सीमा में पूरा करें। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग दीपक सिंह ने यह बात पंचायत एवं नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा के दौरान कही। श्री सिंह ने जिलेवार लंबित दावे-आपत्तियों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण कार्य में पूरी पारदर्शिता रहनी चाहिए। श्री सिंह ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के संबंध में जो भी कार्यवाही करें, उसकी जानकारी स्टेरिंग कमेटी की बैठक के माध्यम से जनप्रतिनिधियों के संज्ञान में जरूर लायें। उन्होंने वर्किंग और नानवर्किंग ईव्हीएम की जानकारी देने के निर्देश भी दिये।

उन्होंने कहा कि अंतिम मतदाता सूची को नियत समय पर जिले की वेबसाइट पर अपलोड करें।बैठक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग शहडोल से वीडियो कांफ्रेंसिंग में शामिल हुए। इस दौरान उप सचिव राज्य निर्वाचन आयोग मनोज मालवीय, श्रीमती संजू कुमारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

छतरपुर के लकड़ी फर्नीचर उद्योग को मिलेगी राष्ट्रीय पहचान

एमएसएमई और ओ.एन.डी.सी के बीच हुआ एमओयू

"एक जिला-एक उत्पाद" प्रगति सम्मेलन संपन्न

भोपाल (निप्र)। छतरपुर के एक जिला एक उत्पाद लकड़ी फर्नीचर उद्योग को राष्ट्रीय बाज़ार, आधुनिक डिज़ाइन, ब्रांडिंग और निर्यात नेटवर्क से जोड़ने पर केंद्रित मध्यप्रदेश एक जिला-एक उत्पाद प्रगति सम्मेलन 2026 में 18 विषय विशेषज्ञों ने अनेक जानकारी साझा की। सम्मेलन का आयोजन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा किया गया। सम्मेलन में एमएसएमई विभाग, मध्यप्रदेश एवं ओएनडीसीके बीच एमओयू हुआ, जिससे प्रदेश भर के एमएसएमई उद्यमियों और स्टार्ट-अप्स को डिजिटल ई-कॉमर्स नेटवर्क से जोड़ने में सहयोगी सिद्ध होगा और उनके उत्पादों को देशभर में पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। उल्लेखनीय है कि 'छतरपुर फर्नीचर' को भारत सरकार द्वारा जीआईटैग प्रदान किया जा चुका है जो लकड़ी के फर्नीचर की शिल्प कला की विशिष्ट पहचान की आधिकारिक स्वीकृति है। सम्मेलन में मुख्यत: अमेजॉन इंडिया, पीपरफाय वालमार्ट वृद्धि, ओएनडीसी, बायंग एजेंट एसोसिएशन और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग के प्रतिनिधियों ने क्रेता-विक्रेता बैठकों एवं सत्र में भाग लिया।

प्रियंका नगर, शारदाकुंज-कटारा में कल बिजली कटौती: भोपाल के 25 इलाकों में असर; इनायतपुर-शारदाकुंज में भी सप्लाई नहीं

भोपाल (निप्र)। भोपाल के करीब 25 इलाकों में गुरुवार को 3 से 8 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। इसके चलते सप्लाई पर असर पड़ेगा। जिन इलाकों में

बिजली बंद रहेगी, उनमें कोलार रोड स्थित प्रियंका नगर, शारदाकुंज, कटारा, इनायतपुर, शारदाकुंज समेत कई बड़े इलाके भी शामिल हैं। ऐसे में बिजली संबंधित जरूरी काम पहले से निपटा लें। ताकि परेशानी का सामना न करना पड़े।

सुबह 8 से शाम 4 बजे तक पुष्पा नगर, 80 फीट रोड, महामाई का बाग, कम्मू का बाग, शंकराचार्य नगर, सागर स्टेट, शारदाकुंज एवं आसपास।

सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक यूनीहोम कॉलोनी, कांकरिया, इनायतपुर, प्रियंका नगर, पुलिस हाउसिंग सोसायटी, राजवैध एस सेक्टर, मधुवन सिटी एवं आसपास के इलाके।सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक साधना इन्क्लेव, निरुपम फेस-2, कुंजन फेस-1 एवं आसपास। सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक कटारा, आमरिन होम्स, स्प्रिंग वैली कॉलोनी, प्राइड सिटी कॉलोनी एवं आसपास के इलाके।

बुधवार को महापौर मालती राय ने कोलार जलप्रदाय परियोजना की ग्रेविटी मेन पाइप लाइन के संधारण कार्य का निरीक्षण किया। एमआईसी मेंबर और बीजेपी जिलाध्यक्ष रविंद्र यती भी मौजूद थे। उन्होंने सनखेड़ी क्षेत्र में कोलार जलप्रदाय परियोजना की ग्रेविटी मेन पाइप लाइन के संधारण कार्य का निरीक्षण किया।

जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार के लिए प्रदेश में चलाया जा रहा है जन आंदोलन : मंत्री श्री सिलावट

वर्षाकाल के पूर्व सभी जल संरचनाओं की आवश्यक मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य पूरे करें मंत्री श्री सिलावट ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की

भोपाल (निप्र)। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार के लिए जन आंदोलन चलाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन और एक पेड़ मां के नाम अभियान गांव गांव, नगर नगर में समाज के सभी वर्गों के सहयोग से चलाया जा रहा है, जिसके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। इन अभियानों में अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित करें। वर्षाकाल के पूर्व सभी विभागीय जल संरचनाओं की आवश्यक मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य पूरे कर लिए जाएं। कार्य में किसी भी प्रकार की कोई भी लापरवाही अक्षम्य होगी।जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने बुधवार को मंत्रालय वल्लभ भवन में निर्माणाधीन विभागीय कार्य एवं परियोजनाओं की समीक्षा की तथा बारिश के पूर्व के सभी कार्य पूर्ण करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा, प्रमुख अभियंता विनोद देवड़ा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री सिलावट ने कछार वार मुख्य अभियंताओं के साथ उनके क्षेत्र में निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की तथा निर्देश दिए कि वर्षाकाल के मद्देनजर आगामी 15 दिनों में वहां आवश्यक कार्य करा लिए जाएं। चंबल बेतवा कछार भोपाल के अंतर्गत पार्वती, सुठालिया, टेम, कान्याखेड़ी एवं ग्वालटोरिया परियोजनाओं की समीक्षा की गई. धसान केन कछार अंतर्गत आपचंद, मझगांय, सतधारू, पवई और काठन परियोजना, बीना पीएमयू सागर के अंतर्गत बंडा, हनोता, पंचम नगर, कडान, साजली कैथ, जूडी और जेरा परियोजना, बेतवा एमओयू भोपाल के अंतर्गत कोठा बैराज एवं बीना परियोजना, नर्मदा ताप्ती कछार इंदौर के अंतर्गत तलवाड़ा, पांगरी एवं कारम परियोजना, बेनगंगा कछार सिवनी के अंतर्गत छिंदवाड़ा सिंचाई कॉम्पलेक्स, पैंच माइक्रो सिंचाई, शेर सिंचाई कॉम्प्लेक्स, मांडवा होज इरिगेशन, अपर बुडनेर, छीताबुजरी, हिरण, बगराजी नहर, मुरकी पाइप नहर परियोजना, गंगा कछार रीवा के अंतर्गत त्योंथर बहाव, त्योंथर माइक्रो, रामनगर माइक्रो, नई गढ़ी माइक्रो, रिहंद माइक्रो, भन्नी, बहुती, गोढ़, सीतापुर हनुमना, दोरी सागर एवं सेमरिया माइक्रो परियोजना तथा यमुना कछार ग्वालियर के अंतर्गत कनेरा माइक्रो, चंबल माइक्रो, मुंझारी, चेंटीखेड़ी एवं सरकुला परियोजना के कार्यों की समीक्षा की गई.मंत्री श्री सिलावट द्वारा सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर उज्जैन में कराए जा रहे हैं विभिन्न कार्यों कान्ह डायवर्सन परियोजना, सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी, घाट निर्माण, चितावद, समाकोटा, डुंगरिया, बनीहरवाखेड़ी, मां रेवा उद्वहन परियोजना, हाट पिपल्या परियोजना, कयामपुर-सीतामऊ, मल्हारगढ़, रामपुर मनासा, कबूलपुर और आहू परियोजनाओं के कार्यों की समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश दिए।

इलेक्ट्रिक कार से चलेंगे CM मोहन, रेंज 500 किमी नंबर- VB 2047 मिला, इसका मतलब विकसित भारत बताया; काफिले में शामिल हुई गाड़ी

भोपाल(निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचाने अपील के बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने काफिले में इलेक्ट्रिक वाहन शामिल करने का फैसला किया है। इसके तहत काफिले के लिए महिंद्रा की नई इलेक्ट्रिक कार XEV 9e खरीदी गई है। यह कार बुधवार से CM के काफिले का हिस्सा बन गई।मुख्यमंत्री बुधवार शाम दिल्ली रवाना हुए। वे मुख्यमंत्री निवास से स्टेट हैंगर तक इसी इलेक्ट्रिक कार से पहुंचे। मुख्यमंत्री की नई कार का पंजीयन नंबर M P 02 VB 2047 है। नंबर प्लेट में मौजूद 'VB' का मतलब 'विकसित भारत' बताया गया है। वहीं '2047' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संकल्प का प्रतीक है, जिसके तहत वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का

लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस विशेष नंबर के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग और विकसित भारत के संदेश को प्रदर्शित करने का प्रयास किया गया है।

महिंद्रा XEV 9e एक प्रीमियम इलेक्ट्रिक SUV है, जिसकी एक बार चार्ज करने पर रेंज करीब 500 किलोमीटर तक बताई जाती है। मुख्यमंत्री के काफिले में इसके शामिल होने को पर्यावरण-अनुकूल परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इससे पहले भी ईंधन बचाने के लिए अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम कर चुके हैं। पहले काफिले में 13 वाहन चलते थे, जिसे घटाकर 7 कर दिया गया था। इसके बाद कई मंत्रियों और अधिकारियों ने भी कार-पूलिंग और कम वाहनों के उपयोग को अपनाया।

एमएसएमई मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप से लघु उद्योग भारती के पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भेंट कर विभिन्न बिंदुओं पर विमर्श किया।

प्रदेश के हर जिले में बनेंगे फीडर सेंटर, बढ़ेगा खेल नेटवर्क : मंत्री श्री सारंग

मंत्री श्री सारंग ने टैलेंट सर्च अभियान की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

प्रदेश को खेल प्रतिभाओं का राष्ट्रीय हब बनाने की तैयारी

भोपाल (ए.)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की खोज और संवर्धन को नई गति देने के उद्देश्य से टी.टी. नगर स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में टैलेंट सर्च अभियान की समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों एवं खेल प्रशिक्षकों को व्यापक दिशा-निर्देश दिए।मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रथम स्तर पर प्रदेश के हर जिले में फीडर सेंटर स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि द्वितीय स्तर में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विकसित किए जा रहे नए स्टेडियमों को भी फीडर सेंटर के रूप में विकसित किया जाए, जिससे गांव और कस्बों के खिलाड़ियों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर प्रशिक्षण एवं सुविधाएं मिले श्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश खेल अकादमियों के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बन चुका है और अब फीडर सेंटर नेटवर्क के माध्यम से भी मध्यप्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर देश का नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें सही समय पर पहचानने और अवसर देने की है। इसी उद्देश्य से अब खेलवार और क्षेत्रवार टैलेंट सर्च अभियान चलाए जाएंगे। जिन क्षेत्रों में जिस खेल की प्रतिभाएँ अधिक हैं, वहां विशेष अभियान चलाए जाएंगे।मंत्री श्री सारंग ने स्कूलों, कॉलेजों, समर कैंपों और शिक्षा विभाग के साथ समन्वय बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि अधिक से अधिक बच्चों और युवाओं को खेलों से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि खेलो इंडिया स्मॉल सेंटर, फीडर सेंटर और खेल अकादमियों के लिए प्रतिभा खोज का कार्य एकीकृत रूप से किया जाए।बैठक में खेल अकादमियों में सीटें बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। उन्होंने टैलेंट सर्च प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने पर जोर देते हुए कहा कि आधुनिक आईटी सॉल्यूसन्स और एथलीट मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से खिलाड़ियों की प्रगति की निरंतर मॉनिटरिंग की जाएगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खेलों को जन-आंदोलन बनाने के लिए सोशल मीडिया, मीडिया प्लेटफॉर्म, जन-प्रतिनिधियों, जिला प्रशासन स्तर तक व्यापक सहभागिता सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल अल्पकालिक योजना नहीं, बल्कि प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत करने का दीर्घकालिक मिशन है।

होटल में युवक-युवतियों के मिलने पर हंगामा

भोपाल(आरएनएस)। बागसेवनिया थाना क्षेत्र में एक होटल में दो युवक और दो युवतियों के मिलने के बाद हिंदूवादी संगठनों ने हंगामा कर दिया। मामला साकेत नगर स्थित एसएसजी होटल का है। संगठनों के कार्यकर्ताओं के अनुसार, उन्हें बुधवार दोपहर को सूचना मिली थी कि दो युवक अपनी पहचान छिपाकर होटल पहुंचे हैं। उनके साथ दो युवती हैं और होटल में कमरा बुक किया है।सूचना के बाद कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और होटल में जांच की। इस दौरान युवक की पहचान एक वर्ग विशेष के व्यक्ति के रूप में होने का दावा किया गया। जबकि दूसरा युवक वर्ग विशेष का नहीं था।कार्यकर्ताओं का आरोप है कि युवकों के पास से आपत्तिजनक सामग्री भी मिली है। उन्होंने पुलिस और प्रशासन से मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। युवकों की पहचान अंकित और सैफ के रूप में की गई है। दोनों एसी सुधारने का काम करते हैं।बागसेवनिया थाना प्रभारी अमित सोनी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में युवतियों की उम्र से जुड़े तथ्यों की पुष्टि की जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि होटल संचालक की लापरवाही सामने आती है तो सराय अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

विवाद के दौरान महिला पर तलवार से हमला

भोपाल (आरएनएस)। पिपलानी थाना क्षेत्र में पड़ोसियों के विवाद के दौरान एक महिला पर तलवार से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। 30 मई की शाम आलम नगर में आरोपी ने कथित तौर पर महिला की गर्दन पर तलवार से वार करने की कोशिश की। महिला ने बचाव में हाथ आगे कर दिया, जिससे उसकी जान बच गई। बुधवार को पुलिस ने मामले में हत्या के प्रयास में एफआईआर दर्ज की है। पीड़ित महिला ने आरोप लगाया है कि आरोपी उनकी हत्या करना चाहते थे। हमले में महिला के हाथ की हड्डी टूट गई है। शरीर पर कई गंभीर चोटें भी आई हैं। घायल का हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है।30 मई की शाम करीब 4 बजे शिकायतकर्ता शकील खान की पत्नी परवीन खान और पड़ोसी फरीन के बीच विवाद हो गया।आरोप है कि फरीन अक्सर गाली-गलौज करती थी। घटना वाले दिन भी गाली देने पर परवीन ने विरोध किया। शिकायत करने की बात कही। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़ गई। पीड़ित महिला शिकायत करने के लिए घर से नीचे अपनी गाड़ी के पास पहुंची। इसी दौरान आरोपी मुजाहिद उर्फ वल्ली वहां पहुंचा। आरोप है कि उसने अपने पीछे तलवार छिपाकर रखी थी। उसने तलवार निकाली और पीड़ित पर हमला कर दिया। वार गर्दन पर किया गया।

निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने की शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही

भोपाल (आरएनएस)। नगर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी क्रम में निगम के अमले ने सी.एम. हेल्पलाईन, महापौर हेल्पलाईन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ठेले, गुमठियां, फ्ल, सब्जी की दुकानें, दुकानों के बाहर रखा सामान, आवागमन में बाधक भवन निर्माण सामग्री व वाहनों को हटाने की कार्यवाही की और ठेले, गुमठियां, काउंटर, स्टैण्ड, प्लास्टिक पाईप, रेत छानने का छन्ना, तगाड़ी, नेट, तिरपाल, कैरेड, पानी की टंकी, बैटरी लाईट आदि जप्त करने की कार्यवाही की।निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने बुधवार को शाहपुरा, बंसल हास्पिटल, अरेरा कालोनी, बांसखेड़ी, एम.पी. नगर मल्टीलेवल पार्किंग, लिंक रोड नं0-01,02 व 03, जवाहर चौक, प्रेमपुरा घाट सैर सपाटा, न्यू मार्केट, माता मंदिर, भारत माता चौराहा, रेतघाट, रविन्द्र भवन, बरखेड़ी, आनंद नगर हथाईखेड़ा, प्रभात चौराहा, परिहार चौराहा, अषोका गार्डन दषमेष नगर, द्वारका नगर, चौकसे नगर, रेल्वे स्टेषन प्लेटफार्म नं0-06, डी.आई.जी बंगला, ग्रीन पार्क कालोनी, निषातपुरा, करोंद, भोपाल मेमोरियल हास्पिटल, एयरपोर्ट रोड दाता कालोनी, आषाराम तिराहा, गांधीनगर बस स्टेण्ड आदि क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए बड़ी संख्या में अतिक्रमण कर लगाये गये ठेले, गुमठियां, फ्ल, सब्जी की दुकानें, दुकानों के बाहर रखा सामान हटाया साथ ही डीआईजी बंगला ग्रीन पार्क में सर्विस रोड पर आवागमन में बाधक 15 दो पहिया वाहन, द्वारका नगर क्षेत्र में सर्विस रोड से रेत, गिट्टी, एम.पी.नगर मल्टी लेविल पार्किंग से 03 पान की गुमठियां, लिंक रोड नं. 03 से 02 गुमठियां आदि को हटाया तथा 06 ठेले, 06 गुमठियां, 04 टेबिल, 01 काउंटर, 01 लोहे का स्टैण्ड, 01 बेंच, 01 लोहे की घोड़ी, 01 प्लास्टिक पाईप, 01 रेत छानने का छन्ना, 03 तगाड़ी, 01 नेट, 01 तिरपाल, 15 कैरेड, 01 पानी की टंकी, 03 बैटरी लाईट आदि जप्त करने की कार्यवाही की।

भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना से झाबुआ के प्रेम गामड़ बने आत्मनिर्भर

अपना व्यवसाय शुरू कर कमा रहे हर माह लगभग 1.50 लाख रुपये

झाबुआ (आरएनएस)। आजीवन में सफलता सिर्फ बड़े संसाधनों से ही नहीं, मेहनत और दृढ़ संकल्प से प्राप्त होती है। व्यक्ति यदि अपने लक्ष्य को स्पष्ट रखकर निरंतर प्रयास करता रहे, तो परिस्थितियां भी उसके मार्ग की बाधा नहीं बन पातीं। ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी है झाबुआ निवासी प्रेम गामड़ पिता मंजेश गामड़ की जिन्होंने स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल स्थापित की है। स्नातक तक शिक्षा प्राप्त करने के बाद प्रेम गामड़ ने निजी क्षेत्र में कार्य करना प्रारंभ किया। नौकरी के माध्यम से आजीविका तो चल रही थी, लेकिन उनके मन में स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने और कुछ नया करने का सपना था। वे ऐसा कार्य करना चाहते थे जिससे उन्हें आत्मसंतुष्टि के साथ-साथ समाज के लोगों को बेहतर सेवाएं भी प्रदान करने का अवसर मिले। इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के प्रति रुचि एवं तकनीकी समझ को देखते हुए उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स सेल्स एंड सर्विस के क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने का निर्णय लिया, लेकिन व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए आवश्यक पूंजी की व्यवस्था करना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती थी।

14.40 लाख रुपये के ऋण से शुरू किया व्यवसाय, अब हर माह हो रही लगभग 1.50 लाख रुपये की आय

प्रेम गामड़ ने जिला आदिवासी वित्त एवं विकास निगम, झाबुआ कार्यालय में संपर्क कर "भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना" के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त किया। निगम द्वारा उनका ऋण प्रकरण तैयार कर एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से बैंक ऑफ बड़ौदा, झाबुआ शाखा को भेजा गया। बैंक द्वारा प्रकरण का परीक्षण करने के बाद प्रेम गामड़ का 14.40 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया। ऋण प्राप्त होने के बाद उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स सेल्स एंड सर्विस व्यवसाय प्रारंभ किया और पूरी मेहनत एवं लगन के साथ अपने कार्य को आगे बढ़ाया। आज उनका व्यवसाय क्षेत्र में अच्छी पहचान बना चुका है तथा वे प्रतिमाह लगभग 1.50 लाख रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने अपनी इकाई में एक अन्य व्यक्ति को रोजगार प्रदान किया है।

रोजगार की तलाश से रोजगारदाता बनने तक, प्रेम ने युवाओं को दिया प्रेरणा का संदेश

प्रेम गामड़ बताते हैं कि एक समय ऐसा था जब वे स्वयं रोजगार की तलाश में भटकते थे, लेकिन आज वे अपना सफल व्यवसाय संचालित कर आत्मनिर्भर बन चुके हैं। वे अपनी सफलता का श्रेय मध्यप्रदेश आदिवासी वित्त एवं विकास निगम एवं भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना को देते हैं। उनका कहना है कि शासन की योजनाएं युवाओं के लिए सुनहरा अवसर हैं।

यदि सही जानकारी, दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत का साथ हो तो कोई भी युवा स्वरोजगार के माध्यम से अपनी अलग पहचान बना सकता है। आज प्रेम गामड़ की सफलता जिले के उन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन चुकी है, जो स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का सपना देख रहे हैं।

सिलपरा डैम में नहाते समय सेना का जवान डूबा, एसडीईआरएफ का सर्च ऑपरेशन जारी

रीवा, (ए.)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले के सिलपरा डैम में बुधवार सुबह एक सेना का जवान नहाते समय गहरे पानी में डूब गया। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही बिछिया थाना पुलिस और एसडीईआरएफ की टीम मौके पर पहुंची तथा जवान की तलाश के लिए व्यापक सर्च अभियान शुरू किया गया। पुलिस के अनुसार, बघवार गांव निवासी गौरव द्विवेदी (28) भारतीय सेना में पदस्थ हैं और कुछ दिन पहले ही अवकाश पर अपने घर आए थे। बुधवार सुबह करीब 6 बजे वे अपने भाई-बहनों के साथ सिलपरा डैम घूमने पहुंचे थे। इसी दौरान नहाने के लिए पानी में उतरने पर उनका संतुलन बिगड़ गया और वे गहरे पानी में चले गए। परिजनों के सामने ही वे देखते-देखते पानी में लापता हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीईआरएफ की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। गोताखोरों तथा बोट की मदद से डैम में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। समाचार लिखे जाने तक जवान का कोई सुराग नहीं मिल सका था।

जिले में शेष किसानों की फार्मर आईडी बनाने का काम जारी, विभिन्न ग्रामों में लगे शिविर

ग्वालियर (आरएनएस)। जिले में कृषि भूमि के मालिक शेष किसानों की फार्मर आईडी बनाने के लिये विशेष अभियान जारी है। इस कड़ी में बुधवार को ग्राम सुनवई, ईंटमा व भरथरी सहित जिले के अन्य ग्रामों में विशेष शिविर लगाकर फार्मर रजिस्ट्री का काम किया गया। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को अभियान के माध्यम से शतप्रतिशत किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने के निर्देश दिए हैं।अभियान के तहत सभी भूधारी किसानों का पंजीयन कर उनकी फार्मर रजिस्ट्री तैयार की जा रही है। साथ ही किसानों की सभी कृषि भूमियों को आईडी से जोड़ा जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को यह भी निर्देश दिए हैं कि अनुसूचित जनजाति वर्ग के एफआरए पट्टाधारी किसानों की फार्मर आईडी बनाना भी सुनिश्चित करें।

महिला प्रशिक्षणार्थियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए

संभागीय आईटीआई में आत्मरक्षा शिविर आयोजित

ग्वालियर (आरएनएस)। शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) ग्वालियर में महिला प्रशिक्षणार्थियों के लिए आत्मरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य छात्राओं को आत्मनिर्भर, जागरूक एवं आत्मविश्वासी बनाना तथा उन्हें अपनी सुरक्षा के प्रति सजग करना था। शिविर का आयोजन श्री धानी यूथ एण्ड स्पोर्ट्स वेलफेयर फाउण्डेशन के सहयोग से किया गया। आईटीआई के प्रभारी प्राचार्य श्री नरेश अहिरवार ने बताया कि शिविर में प्रशिक्षकों द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही उन्हें विपरीत परिस्थितियों में साहस, सतर्कता और समझदारी के साथ कार्य करने के व्यावहारिक उपाय भी बताए गए। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आत्मरक्षा तकनीकों का अभ्यास किया।इस अवसर पर बताया गया कि महिलाओं को अपनी सुरक्षा के प्रति सदैव सजग रहना चाहिए और किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति का सामना आत्मविश्वास के साथ करना चाहिए। संस्था द्वारा आयोजित इस प्रकार के कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ छात्राओं में आत्मविश्वास और सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

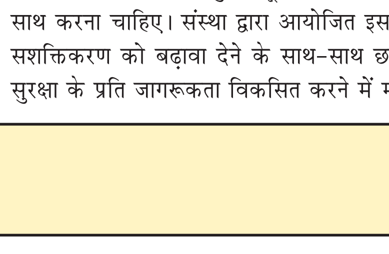

मैहर रोपवे में करोड़ों की वित्तीय अनियमितताओं का आरोप, टिकट बिक्री और खर्चों की जांच शुरू

मैहर, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के प्रमुख शक्तिपीठों में शामिल मां शारदा धाम मैहर में संचालित रोपवे सेवा को लेकर वित्तीय अनियमितताओं का बड़ा मामला सामने आया है। मंदिर प्रबंध समिति ने रोपवे संचालन करने वाली दामोदर रोपवे कंपनी पर टिकट बिक्री के आंकड़ों में कथित हेरफेर और खर्चों में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आई विसंगतियों के बाद कंपनी को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है।मंदिर समिति के अनुसार रोपवे संचालन से जुड़े दस्तावेजों और कैश कलेक्शन रिपोर्ट के परीक्षण में यात्रियों की संख्या को लेकर कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। कुछ दिनों में यात्रियों की संख्या सामान्य से कहीं अधिक दिखाई गई है, जबकि कई तारीखों पर बेहद कम आंकड़े दर्ज किए गए हैं। उदाहरण के तौर पर 30 जनवरी 2025 को 9,378 यात्रियों के सफर का रिकॉर्ड प्रस्तुत किया गया, जबकि 9 जनवरी 2025 को यह संख्या मात्र 2,758 बताई गई।

पानी की तलाश में जंगल छोड़ आबादी तक पहुंच रहे तेंदुए, बड़वानी के ग्रामीणों में बढ़ी चिंता

बड़वानी, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी और जंगलों में गहराते जल संकट का असर अब वन्यजीवों के व्यवहार पर भी दिखाई देने लगा है। बड़वानी जिले के प्रसिद्ध 52 गजा सिद्ध क्षेत्र के आसपास इन दिनों तेंदुओं समेत कई जंगली जानवरों की आवाजाही बढ़ गई है। जंगलों में प्राकृतिक जल स्रोत सूखने के कारण वन्यजीव पानी की तलाश में पहाड़ियों से उतरकर गांवों और मंदिर परिसर तक पहुंच रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।जानकारी के अनुसार शहर से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित 52 गजा सिद्ध क्षेत्र के जंगलों में इस समय पानी का गंभीर संकट बना हुआ है। बढ़ते तापमान के बीच अधिकांश नाले, झिरियां और प्राकृतिक जल स्रोत सूख चुके हैं। ऐसे में वन्यजीवों को अपनी प्यास बुझाने के लिए आबादी वाले क्षेत्रों की ओर रुख करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि हर वर्ष गर्मी के मौसम में जंगली जानवरों की गतिविधियां बढ़ती हैं, लेकिन इस बार स्थिति अधिक चिंताजनक है। तेंदुए लगातार गांवों के आसपास देखे जा रहे हैं और कई बार पालतू पशुओं को अपना शिकार बना चुके हैं। शाम ढलते ही उनकी सक्रियता बढ़ने से खेतों और ग्रामीण मार्गों से आने-जाने वाले लोगों में भय बना रहता है।52 गजा सिद्ध क्षेत्र के पुजारी निर्भय जैन के अनुसार पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित जल स्रोत सूख जाने के कारण तेंदुए नीचे बने कुंडों और होदों तक पहुंच रहे हैं। कई बार उन्हें मंदिर और आश्रम परिसर के आसपास भी देखा गया है। उन्होंने बताया कि हाल ही में एक भालू के गांव के नजदीक पहुंचने की सूचना भी मिली थी।

व्यापार समाचार

केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाली है खुशखबरी, सैलरी और एरियर में होगा बड़ा इजाफा, जानिए डिटेल

नई दिल्ली (आरएनएस),। केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को जुलाई 2026 से लागू होने वाले महंगाई भत्ता (DA) और महंगाई राहत (DR) में बढ़ोतरी का बेसब्री से इंतजार है। मौजूदा समय में केंद्रीय कर्मचारियों को 60 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा है, लेकिन ताजा महंगाई आंकड़ों के आधार पर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि सरकार आगामी छमाही में डीए में 3 प्रतिशत तक की वृद्धि कर सकती है। यदि ऐसा होता है तो डीए बढ़कर 63 प्रतिशत हो जाएगा।हालांकि बढ़ी हुई दरें 1 जुलाई 2026 से प्रभावी होंगी, लेकिन इसकी आधिकारिक घोषणा सितंबर या अक्टूबर में होने की संभावना है। घोषणा में देरी होने की स्थिति में कर्मचारियों को जुलाई से लागू बढ़ोतरी का एरियर भी मिलेगा। सितंबर में घोषणा होने पर तीन माह का और अक्टूबर में घोषणा होने पर चार माह का एरियर मिलने की संभावना है।

महंगाई के आंकड़ों से बढ़ी उम्मीदें

श्रम ब्यूरो द्वारा जारी अप्रैल 2026 के ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स फॉर इंडस्ट्रियल वर्कर्स (CPI-IW) के अनुसार सूचकांक बढ़कर 149.9 पर पहुंच गया है। इसी सूचकांक के आधार पर महंगाई भत्ते की गणना की जाती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि वर्ष के शुरुआती चार महीनों के आंकड़ों को देखते हुए जून 2026 तक डीए की गणना 63 प्रतिशत से ऊपर बनी रह सकती है। चूंकि सरकार आमतौर पर महंगाई भत्ते को पूर्णांक में लागू करती है, इसलिए 63 प्रतिशत डीए की संभावना मजबूत मानी जा रही है।

वेतन और एरियर पर कितना होगा असर ?

यदि डीए में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी होती है तो न्यूनतम 18,000 रुपये मूल वेतन पाने वाले कर्मचारी के महंगाई भत्ते में हर महीने लगभग 540 रुपये की वृद्धि होगी। ऐसे कर्मचारियों को सितंबर में घोषणा होने की स्थिति में 1,500 रुपये से अधिक और अक्टूबर में घोषणा होने पर 2,000 रुपये से अधिक का एरियर मिल सकता है। उच्च वेतनमान वाले कर्मचारियों के लिए यह राशि और भी अधिक होगी।

8वें वेतन आयोग के बीच बढ़ा महत्व

डीए बढ़ोतरी की यह चर्चा ऐसे समय में हो रही है जब 8वें वेतन आयोग को लेकर कर्मचारियों की उम्मीदें बढ़ी हुई हैं। कर्मचारी संगठनों की मांग है कि नए वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होने से पहले 50 प्रतिशत या उससे अधिक महंगाई भत्ते को मूल वेतन में समाहित किया जाए।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार 8वें वेतन आयोग के गठन की प्रक्रिया शुरू कर चुकी है। उम्मीद जताई जा रही है कि आयोग अपनी सिफारिशें अगले वर्ष की पहली छमाही तक सरकार को सौंप सकता है। यदि आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से प्रभावी मानी जाती हैं, तो कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को 18 से 20 माह तक का एरियर मिलने की संभावना भी बन सकती है।

ऐसे में जुलाई 2026 का डीए संशोधन न केवल कर्मचारियों की मासिक आय बढ़ाएगा, बल्कि आगामी वेतन आयोग से जुड़ी उम्मीदों को भी नई मजबूती देगा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 303, निफ्टी 77 अंक नीचे आया

मुम्बई (ए.)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुए। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट ईरान-अमेरिका तनाव के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। , आज दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस, टीसीएस के अलावा टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयर टूट गये। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 303.67 अंक फिसलकर 74,346.17 अंकों पर बंद हुआ। जबकि, एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 77.95 अंक नीचे आकर 23,405.60 अंकों पर बंद हुआ।

वैश्विक तनाव के बीच कीमती धातुओं में गिरावट; चांदी 1,300 रुपए फिसली

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर वैश्विक कमोडिटी बाजारों पर भी देखने को मिल रहा है। बुधवार के कारोबारी सत्र में घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि एमसीएक्स पर अगस्त डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद भाव 1,59,346 रुपए से 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,59,447 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं जुलाई वायदा चांदी 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 2,66,668 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुली।वहीं खबर लिखे जाने तक (सुबह 11:36 बजे के करीब) 5 अगस्त कॉन्ट्रैक्ट वाला सोना 0.24 प्रतिशत यानी 390 रुपए की गिरावट के साथ 1,58,956 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था, तो वहीं दूसरी ओर 3 जुलाई कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी 0.49 प्रतिशत यानी 1,307 रुपए की गिरावट के साथ 2,65,400 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिका-ईरान संघर्ष के और तेज होने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है, जिससे महंगाई बढ़ने और ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची बने रहने की आशंका बढ़ गई है। इसी वजह से निवेशकों का रुझान सोने की ओर सीमित रहा।स्पॉट गोल्ड 0.2 प्रतिशत गिरकर 4,476.50 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि अगस्त डिलीवरी वाले अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स में 0.3 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 4,504.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा।

जीरो रिस्क और ब्याज से ही कमाएं 5 लाख रुपये, ये है पोस्ट ऑफिस की धांसू स्कीम

नई दिल्ली (आरएनएस),। यदि आप सुरक्षित निवेश के साथ बेहतर रिटर्न की तलाश में हैं, तो पोस्ट ऑफिस की स्मॉल सेविंग स्कीम्स आपके लिए बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती हैं। इन योजनाओं में न केवल आकर्षक ब्याज दर मिलती है, बल्कि निवेश की पूरी सुरक्षा की गारंटी भी सरकार देती है। ऐसे में यह निवेशकों के लिए लगभग जीरो-रिस्क निवेश माना जाता है। पोस्ट ऑफिस की लोकप्रिय योजनाओं में से एक नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (NSC) स्कीम है। यह एकमुश्त निवेश वाली योजना है, जिसमें एक बार पैसा लगाकर पांच वर्षों में अच्छा रिटर्न प्राप्त किया जा सकता है। इस योजना में निवेश पर चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) ब्याज का लाभ मिलता है, जिससे मैच्योरिटी पर बड़ा फंड तैयार होता है। नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (NSC) में खाता खुलवाना बेहद आसान है। किसी भी नजदीकी डाकघर में जाकर खाता खोला जा सकता है। योजना में न्यूनतम 1,000 रुपये का निवेश आवश्यक है, जबकि अधिकतम निवेश की कोई सीमा निर्धारित नहीं की गई है। यानी निवेशक अपनी क्षमता के अनुसार जितनी चाहें राशि निवेश कर सकते हैं।वर्तमान में इस योजना पर 7.7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दिया जा रहा है। ब्याज की गणना चक्रवृद्धि आधार पर होती है, जिससे निवेश की राशि समय के साथ तेजी से बढ़ती है। हालांकि, ब्याज का लाभ पूरी तरह प्राप्त करने के लिए निवेश को पांच साल की लॉक-इन अवधि तक बनाए रखना आवश्यक है।हस्ष्ट योजना में बच्चों के नाम से भी खाता खोला जा सकता है। 10 वर्ष से कम आयु के बच्चों के खाते का संचालन उनके माता-पिता या अभिभावक करते हैं।

जीरो रिस्क और ब्याज से ही कमाएं 5 लाख रुपये, ये है Post Office की धांसू स्कीम

नई दिल्ली (आरएनएस)। यदि आप सुरक्षित निवेश के साथ बेहतर रिटर्न की तलाश में हैं, तो पोस्ट ऑफिस की स्मॉल सेविंग स्कीम्स आपके लिए बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती हैं। इन योजनाओं में न केवल आकर्षक ब्याज दर मिलती है, बल्कि निवेश की पूरी सुरक्षा की गारंटी भी सरकार देती है। ऐसे में यह निवेशकों के लिए लगभग जीरो-रिस्क निवेश माना जाता है।पोस्ट ऑफिस की लोकप्रिय योजनाओं में से एक नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (NSC) स्कीम है। यह एकमुश्त निवेश वाली योजना है, जिसमें एक बार पैसा लगाकर पांच वर्षों में अच्छा रिटर्न प्राप्त किया जा सकता है। इस योजना में निवेश पर चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) ब्याज का लाभ मिलता है, जिससे मैच्योरिटी पर बड़ा फंड तैयार होता है।

1,000 रुपये से कर सकते हैं शुरुआत

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (NSC) में खाता खुलवाना बेहद आसान है। किसी भी नजदीकी डाकघर में जाकर खाता खोला जा सकता है। योजना में न्यूनतम 1,000 रुपये का निवेश आवश्यक है, जबकि अधिकतम निवेश की कोई सीमा निर्धारित नहीं की गई है। यानी निवेशक अपनी क्षमता के अनुसार जितनी चाहें राशि निवेश कर सकते हैं।

7.7 प्रतिशत की आकर्षक ब्याज दर

वर्तमान में इस योजना पर 7.7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दिया जा रहा है।

ब्याज की गणना चक्रवृद्धि आधार पर होती है, जिससे निवेश की राशि समय के साथ तेजी से बढ़ती है। हालांकि, ब्याज का लाभ पूरी तरह प्राप्त करने के लिए निवेश को पांच साल की लॉक-इन अवधि तक बनाए रखना आवश्यक है।

बच्चों के नाम पर भी खुल सकता है खाता

हस्ष्ट योजना में बच्चों के नाम से भी खाता खोला जा सकता है। 10 वर्ष से कम आयु के बच्चों के खाते का संचालन उनके माता-पिता या अभिभावक करते हैं। इसके अलावा, निवेशकों को ऑनलाइन निवेश की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

ऐसे बन सकते हैं ब्याज से करीब 5 लाख रुपये

यदि कोई निवेशक हस्ष्ट योजना में 11 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश करता है और इसे पांच वर्षों तक बनाए रखता है, तो 7.7 प्रतिशत की ब्याज दर के हिसाब से मैच्योरिटी पर उसे लगभग 15,93,937 रुपये प्राप्त होंगे। इसमें करीब 4,93,937 रुपये केवल ब्याज के रूप में मिलेंगे।

समय से पहले खाता बंद कराने पर नुकसान

इस योजना में पांच साल की लॉक-इन अवधि होती है। यदि निवेशक एक वर्ष बाद खाता बंद कराता है, तो उसे केवल मूल निवेश राशि वापस मिलेगी और ब्याज का लाभ नहीं मिलेगा। इसलिए निवेश से पहले लॉक-इन अवधि को ध्यान में रखना जरूरी है।

टैक्स बचाने का भी मौका

हस्ष्ट में निवेश करने पर आयकर अधिनियम की धारा 80ष्ट के तहत टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है। एक वित्तीय वर्ष में निवेशक अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक के निवेश पर कर छूट का दावा कर सकते हैं। सुरक्षित निवेश, आकर्षक ब्याज और टैक्स बचत जैसे फायदों के कारण पोस्ट ऑफिस की हस्ष्ट योजना लंबे समय से निवेशकों के बीच लोकप्रिय बनी हुई है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

आदर्श संहिता उल्लंघन मामले में पहली कार्रवाई

निर्वाचन आयोग ने प्रधानमंत्री के बांसवाड़ा में दिए भाषण पर भाजपा से जवाब मांगा है। कांग्रेस और वामदलों ने नरेन्द्र मोदी के भाषण को विभाजनकारी और महाहानिकर बताते हुए आयोग से शिकायत की थी। इसी पर संज्ञान लेते हुए आयोग ने नोटिस दिया है। किसी पदेन प्रधानमंत्री के विरुद्ध आदर्श संहिता उल्लंघन मामले में यह पहली कार्रवाई है। आयोग का अपनी याददाश्त के आधार पर ऐसा दावा है। दूसरी तरफ, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनकी पार्टी के नेता राहुल गांधी के विरु द्ध भाजपा की शिकायतों पर जवाब मांगा गया है। ये जवाब 29 अप्रैल तक दिए जाने हैं। इस तरह से आयोग ने निष्पक्षता एवं पारदर्शिता का एक कठिन पड़ाव पार कर लिया है। उसे इसका श्रेय मिलना चाहिए कि उसने संहिता उल्लंघन पर प्रधानमंत्री तक को नहीं बख्शा। यह आरोप भी कमजोर हुआ है कि आयोग विपक्ष और कमजोर दलों के नेता को ही निर्देशित करने में आगे रहता है। पर उसका निर्णायक इम्तिहान दोनों दलों के जवाब पर की जाने वाली कार्रवाई में होगा जो आयोग की शक्ति और क्षेत्र को परिभाषित करने वाला होगा। सार्वजनिक जीवन में गरिमा-मर्यादा और नियम-कायदे का आग्रही तबके ही नहीं, पूरे देश ने देखा-सुना कि बांसवाड़ा में और फिर अलीगढ़ तक में खास समुदाय और धर्म के लोगों के बारे में क्या-क्या न कहा गया। माना कि चुनाव बाद एक प्रधानमंत्री के रूप में आप समुदाय-धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करते पर यही भाव चुनावी सभाओं में भी रहना बुरा नहीं होता। यह सामान्य जन अपेक्षा है कि प्रधानमंत्री को तमाम विभाजनों और दोष-रेखाओं से ऊपर होना चाहिए। तब आयोग को भी रिकार्ड बनाने का मौका नहीं मिलता। चुनाव की घोषणा करते हुए आयोग ने भाषणों में सभ्यता के निर्वाह का अनुरोध दलों से किया था, जिसका पालन किसी ने नहीं किया। विपक्ष में स्थितिजन्य आक्रामकता स्वाभाविक ही होती है। सत्ता अपने व्यवहार से उसको परिमार्जित करती है। खरगे और राहुल सरकार की नीतियों की आलोचना के अधिकार के प्रयोग में सभ्यता भूलते रहे हैं। वे न केवल प्रधानमंत्री को निजी स्तर चोट पहुंचाने वाली भाषा का धड़ल्ले से प्रयोग करते सुने-देखे गए हैं, बल्कि तू-तड़ाक पर भी उतर आए हैं। यह भी रिकार्ड है कि नरेन्द्र मोदी देश के सर्वाधिक आलोच्य प्रधानमंत्री हैं। अगर यही एक परिपक्व लोकतंत्र की भाषा है तो यह वाकई बेहद पीड़ादायक परिदृश्य है।

डिजिटल आक्रामकता के जाल में फंसा बचपन

दिलीप कुमार पाठक

(4 जून आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस)

हर साल 4 जून को पूरी दुनिया में आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। पुराने जमाने में जब इस दिन की चर्चा होती थी, तो बच्चों पर अत्याचार का सीधा सा मतलब लड़ाई-झगड़े, युद्ध, दंगे या फिर फैक्ट्रियों में होने वाली बाल-मजूदरी से लगाया जाता था। लेकिन आज के इस आधुनिक और डिजिटल युग में मासूमों के खिलाफ होने वाली हिंसा का पूरा चेहरा ही बदल चुका है। अब यह आक्रामकता सड़क पर शोर नहीं मचाती। अब यह हिंसा बिना किसी आवाज के, इंटरनेट के महीन रास्तों से रेंगती हुई सीधे हमारे घरों के भीतर और हमारे बच्चों के दिमाग पर सीधा हमला कर रही है।

आजकल घरों में शाम के वक्त एक खामोश नजारा दिखाई देता है। पूरा परिवार एक ही कमरे में, एक ही सोफे पर साथ बैठा होता है, लेकिन आपस में कोई बातचीत नहीं होती। सब के सब चुपचाप अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में खोए रहते हैं। माता-पिता भी इस बात से बड़े खुश और बेफिक्र रहते हैं कि उनका बच्चा बाहर धूप या धूल-मिट्टी में नहीं घूम रहा है, बल्कि घर के अंदर आराम से सुरक्षित बैठा है। लेकिन क्या कभी हमने ठंडे दिमाग से बैठकर यह सोचने की कोशिश की है कि स्क्रीन में अपनी आंखें गड़ाए बैठा हमारा यह मासूम बच्चा अंदर ही अंदर किस मानसिक दौर से गुजर रहा है? कहीं उसके नन्हें दिमाग पर नकारात्मक असर तो नहीं हो रहा? ज़रा रुककर गंभीरता से सोचिए। आपका बच्चा आपके ठीक सामने बैठा हो सकता है, लेकिन मुमकिन है कि ठीक उसी वक्त उसका कोमल मन किसी बहुत गहरे तनाव या डर में डूब रहा हो। ऑनलाइन गेम खेलते समय किसी अनजान शख्स द्वारा दी गई गंदी गालियां, सोशल मीडिया पर दोस्तों द्वारा उड़ाया गया उसका कोई भद्दा मजाक, या फिर इंटरनेट के समंदर में छिपे किसी अपराधी की गंदी नजर। यह डिजिटल आक्रामकता ऐसी होती है जो बाहर से शरीर पर दिखाई नहीं देती, इसलिए इसके ज़ख्म और भी ज्यादा गहरे होते हैं। यह अदृश्य हमला बच्चे के आत्मविश्वास को भीतर ही भीतर खोखला कर देता है। सबसे ज्यादा डरावना तो यह है कि इंटरनेट के इस गंदे खेल में कोई तीसरा देखने वाला गवाह नहीं होता, सिवाय उस एक सहमे हुए और अकेले पड़ चुके बच्चे के।

वैश्विक संस्था यूनिसेफ की एक हालिया रिपोर्ट साफ कहती है कि दुनिया में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला हर तीसरा इंसान असल में एक बच्चा है। और इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से एक बहुत बड़ी आबादी ऑनलाइन किसी न किसी रूप में मानसिक या भावनात्मक प्रताड़ना का शिकार होती है। हम अपनी व्यस्त जिंदगी में बच्चों को रोने से रोकने या उन्हें शांत बैठाने के लिए खिलौने की जगह मोबाइल थमा देते हैं। यह डिजिटल झुनझुना शुरू-शुरू में तो हमें बड़ी राहत देता है, लेकिन धीरे-धीरे यही मोबाइल बच्चे और माता-पिता के बीच बातचीत का रास्ता हमेशा के लिए बंद कर देता है। जब बच्चा इंटरनेट की किसी बड़ी मुसीबत या ब्लैकमेलिंग में फंसता है, तो वह लोक-लाज और डर के मारे अपने मम्मी-पापा को कुछ नहीं बता पाता। वह अंदर ही अंदर घुटता रहता है, उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और वह खुद को एक अंधेरे कमरे में बंद कर लेता है। अब वह समय आ गया है जब हमें इस बढ़ते हुए खतरे को गहराई से समझना होगा। यह कोई ऐसी सामाजिक समस्या नहीं है जो केवल पुलिस की मुस्तैदी या सरकार के कड़े कानून बना देने भर से ठीक हो जाएगी। इस बीमारी के इलाज की शुरुआत हमारे अपने घर के भीतर से ही होगी। बच्चों को महंगे स्मार्टफोन या गैजेट्स लाकर देने से कहीं ज्यादा जरूरी है उन्हें अपना कीमती वक्त देना। अपने बच्चों के बदलते हुए बर्ताव पर हमेशा नजर रखिए। अगर आपका हंसता-खेलता बच्चा अचानक गुमसुम रहने लगा है, बात-बात पर गुस्सा कर रहा है या आपसे अपना फोन छिपाने लगा है, तो उसे डांटने या मारने की गलती बिल्कुल मत कीजिए। उसके पास बैठिए, प्यार से हाथ थामिए, उससे खुलकर बातें कीजिए और उसे यह भरोसा दिलाइए कि दुनिया की चाहे जो भी मुसीबत हो, उसके मम्मी-पापा हमेशा उसके साथ खड़े हैं। इस देश के बचपन को सुरक्षित और सुंदर बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। आइए, इस डिजिटल दौर में अपने बच्चों के सबसे अच्छे और सच्चे दोस्त बनें। उनके हाथ से कुछ देर के लिए फोन छीनकर उन्हें पास के मैदान में खेलने के लिए भेजें, रात को सोने से पहले उनसे गप्पें मारें और उन्हें खुलकर हंसने का असली मौका दें। जब तक हम उनके लिए घर में एक सुरक्षित और भरोसेमंद माहौल नहीं बनाएंगे, तब तक स्क्रीन के पीछे का यह रोना कभी बंद नहीं होगा। हमारे देश का उज्ज्वल भविष्य मोबाइल की इस छोटी सी स्क्रीन में घुट-घुट कर जीने के लिए नहीं, बल्कि खुले आसमान के नीचे खुलकर जिंदगी जीने के लिए है।

(चिंतन-मनन) भलाई का भाव होता है यज्ञ

एक भाव होता है मेरा दूसरा है मेरे लिए और तीसरा है सबके लिए। मेरा में इंसान केवल अपने बारे में ही सोचता रहता है और ये पक्का कर लेता है कि मेरे पास जो है, वो केवल मेरा है, मैंने कमाया है, मुझे मिला है और इस पर केवल मेरा ही अधिकार है। यह सोच अज्ञानी लोगों की होती है, जो हमारे अहंकार को बनाये रखती है। मेरे लिए अर्थात इंसान सोचता है कि जो भी मेरे पास है, ये मेरा नहीं बल्कि मेरे लिए है। इसका स्वामी मैं नहीं बल्कि ये सब मुझे इस्तेमाल करने के लिए मिला है। वो इसी भाव को मन में रखता है। यह सोच मध्यम दर्जे के लोगों की होती हैं।

तीसरा भाव है सबके लिए मतलब जो मेरे पास है, वो मेरा ही नहीं और मेरे लिए नहीं, बल्कि सबके लिए है। यह विचार उत्तम दर्जे के इंसानों का होता हैं। इसी को यज्ञ कहा जाता है। जब मन में सबकी भलाई का भाव हो वही यज्ञ है। जो सबका ध्यान रखकर बाद में अपना सोचता है वही श्रेष्ठ इंसान है। इस तरह का यज्ञ अहंकार को गला देता है। ऐसी भावना के साथ साधना करने वाला ब्रह्म को पा लेता है। जो मनुष्य केवल मेरा-मेरा में ही फंसा रहता है, वो ना तो इस जन्म में सुख पाता न ही मरने के बाद परलोक में।

तालमेल और सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता

प्रो. लल्लन प्रसाद

गेहूं और सरसों की फैसल तैयार है, मंडियों में खरीदारी शुरू हो गई है। कुछ मंडियों में सुचारू रूप से खरीदारी हो रही है किंतु ऐसी बहुत सी मंडियां हैं, जहां किसानों को परेशानियां झेलनी पड़ रही है।

कहीं बारिश और ओले के कारण खेत में अनाज गीला हो गया है तो कहीं मंडी में खुले आसमान के नीचे। किसान की गाढ़ी कमाई पर पानी फिर रहा है, अधिकारी नम माल लेने से मना कर रहे हैं।

मंडियों में अव्यवस्था के कारण किसान का सब्र टूट रहा है और कुछ जगहों पर किसानों ने अपना रोष भी प्रकट किया है। अनेक मंडियों में उठान की स्थिति खराब है, शेड में, बाहर सड़क पर माल पड़ा है, टोकन काटने की व्यवस्था ठीक नहीं है। कभी-कभी मंडी के आगे मीलों लंबी लाइन लग जाती है, रात रात भर किसान को जागकर अपने माल की सुरक्षा करनी पड़ती है। मूलभूत सुविधाओं जैसे पीने का स्वच्छ पानी, शौचालय और साफ-सफाई का अभाव है।

मंडी को जाने वाली सड़कों में गड्ढे, अवैध रूप से खड़े वाहन और आवारा पशु, जगह-जगह जाम की समस्या से किसानों को जूझना पड़ता है। कुछ मंडियों में कंप्यूटर ऑपरेटर और स्टाफ की कमी है तो कुछ में तौल के लिए कांटे की व्यवस्था भी समय पर नहीं हो पाई। आवश्यक मात्रा में बारदानों (कट्टों) का अभाव भी परेशानी का कारण बन जाता है। यद्यपि सभी मंडियों में ऐसी अव्यवस्था नहीं है किंतु काफी संख्या में ऐसे मंडी है जहां व्यवस्था सुधार की एवं मंडी प्रबंधकों और सरकारी विभाग के बीच तालमेल और सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि किसान आसानी से अपनी फसल बेच सकें।

अनाज की खरीद के सीजन में मंडियों से जो रिपोर्ट आ रही हैं वे चिंताजनक हैं। चरखी दादरी में पहले ही दिन मंडी में हजारों किसान फसल लेकर पहुंचे, लंबी लाइन लग गई, किसानों के वाहन घंटों जाम में फंसे रहे, पुलिस और प्रशासन को स्थिति संभालने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ी। बैकडोर से टोकन लेने और व्यापारियों के वाहनों को बैकडोर से एंट्री देने के आरोप लगे। रोहतक की एक मंडी में किसानों को मजबूरी में अपनी फसल प्राइवेट कंपनियों को बेचने के आरोप लगे। ओला और बे मौसम बारिश की वजह से वहां फसल खराब हुई, अधिकारी फसल में नमी के कारण खरीद नहीं कर रहे थे।

सोनीपत के गन्नौर में मंडी सेक्रेटरी और अधिकारियों की मिलीभगत से किसानों को जो नुकसान हुआ उससे उनमें जबरदस्त रोष था, मंडी पर उन्होंने ताला लगा दिया। पोर्टल पर फसल रजिस्ट्रेशन करवाने में भी धांधली के आरोप लगे। जहां किसान की 5 से 6 एकड़ का रजिस्ट्रेशन था वहां अधिकारी 1 से 2 एकड़ का माल ही खरीद रहे थे। भिवानी की एक मंडी में हजारों क्विंटल सरसों खरीद के बाद कट्टों में पड़ी बारिश में भीग गई, बचाव का कोई इंतजाम नहीं था।

पूरी मंडी पानी से तरबतर थी, फसल की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ा जिसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। मौसम खराब होने की आशंका से किसानों ने भारी मजदूरी देकर समय से फसल कटवा दिया था और अब जब फसल लेकर मंडी पहुंचे तो वहां मौसम की मार झेलनी पड़ी। सरसों का रंग भूरा हो गया और उसकी गुणवत्ता कम हो गई। सिरसा की मंडी में उठान की स्थिति बेहद खराब रिपोर्ट की गई। उठान के लिए एजेंसियों का चुनाव समय से नहीं हुआ।

गेहूं की आवक एकाएक बढ़ जाने से अधिकारियों के हाथ पैर फूलने लगे, टोकन काटने के लिए पर्याप्त मात्रा में कर्मचारी नहीं थे, ना ही पूरे कंप्यूटर ऑपरेटर। नियमानुसार फसल उठान ट्रकों द्वारा किया जाना चाहिए किंतु एजेंसी ट्रैक्टर-ट्राली द्वारा करा रही है जो सस्ती पड़ती है। यह तब हो रहा है जब ट्रैक्टर के कमर्शियल उपयोग पर रोक लगी हुई है। पंजाब की मंडियों में फसल पहुंच रही है, लेकिन खरीद का पुख्ता इंतजाम बहुत कम मंडियों में है।'मेरी फसल मेरा ब्योरा' के तहत प्रदेश के 9.25 लाख किसानों ने फसल बेचने के लिए 6.45 लाख एकड़ का पंजीकरण कराया। आरोप लगाया जा रहा है कि 10. 40 एकड़ रकबा ऐसा है, जिसका डेटा मिसमैच कर रहा है। मध्य प्रदेश के कई मंडियों में समय से उठान न होने से आवारा पशुओं से अनाज की रक्षा के लिए किसान रात रात भर जाकर अपने फसल की रक्षा करते हैं। अवैध रूप से ट्रक खड़े रहते हैं, मंडी को जोड़ने वाली सड़कों में गड्ढे, सफाई की कमी और मंडी में अतिक्रमण जैसी अव्यवस्था से किसान जूझ रहे हैं।देश के लगभग सभी प्रदेशों में मंडियों की व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता। पिछले वर्ष इन्हीं दिनों दिल्ली की नरेला मंडी, जो एशिया की सबसे बड़ी अनाज मंडी है, उसमें करोड़ों रु पए का अनाज भीग गया था, बारिश से बचाव का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं था। मंडियों में व्यवस्था के खिलाफ आढ़तियों की अपनी शिकायतें हैं। उनका मानना है कि उन्हें जो आढ़त मिलती है वह कम हैं, उनके खर्चे पूरे नहीं होते, उसमें बढ़ोतरी होनी चाहिए। मंडी के श्रमिकों के पारिश्रमिक के बारे में भी सरकार को विचार करना चाहिए खाद्य पदाथरे और जीवन की आवश्यकता की वस्तुओं की कीमतें दिनों-दिन बढ़ रही है श्रमिकों की मजदूरी भी बढ़ाई जानी चाहिए। किसानों को मंडी में अपनी मेहनत का पूरा पैसा मिले इसके लिए आवश्यक है कि निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम दर पर खरीद ना की जाए। जहां अनाज में नमी उनकी गलती से ना हो उसके लिए उन्हें क्यों दंडित किया जाए? मंडियों में मूलभूत सुविधाएं जैसे पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, खाने पीने की व्यवस्था और किसानों के रुकने की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

टीएमसी में बगावत की दस्तक

-कांतिलाल मांडोत

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक समय ऐसा था जब ममता बनर्जी का नाम ही तृणमूल कांग्रेस की पहचान माना जाता था। वर्ष 2011 में वामपंथी शासन को समाप्त कर सत्ता में आई ममता बनर्जी ने स्वयं को बंगाल की सबसे प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित किया। लेकिन समय के साथ जिस राजनीतिक शैली ने उन्हें सत्ता तक पहुंचाया, वही शैली अब उनकी सबसे बड़ी चुनौती बनती दिखाई दे रही है। विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर उभरती असंतोष की आवाजें इस बात का संकेत हैं कि पार्टी में सब कुछ सामान्य नहीं है। विधायकों की अलग बैठकें, नेतृत्व पर सवाल और पार्टी में टूट की चर्चाएं इस संकट को और गहरा कर रही हैं।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह स्थिति अचानक पैदा नहीं हुई है। इसके पीछे वर्षों से चल रही ऐसी नीतियां और कार्यशैली रही हैं जिनसे पार्टी के भीतर और बाहर दोनों स्तरों पर असंतोष बढ़ता गया। तुष्टिकरण की राजनीति, भ्रष्टाचार के आरोप, कट मनी संस्कृति, राजनीतिक हिंसा और कानून व्यवस्था को लेकर उठते सवालों ने धीरे-धीरे जनता के बीच टीएमसी की छवि को नुकसान पहुंचाया। चुनावी हार उसी असंतोष की अभिव्यक्ति मानी जा रही है।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आज आप में चुस्ती फुर्ती रहेगी, आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज बिना किसी मदद के भी आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे, बस आपको खुद पर विश्वास करने की जरूरत है।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। पहले से चली आ रही कोई समस्या आज सुलझ सकती है। आज आपका व्यापार अच्छा चलेगा। आज आप पुराने दोस्तों से मिलने की कोशिश करेंगे। आज आपके मदद की जरूरत के समय कोई ऐसा व्यक्ति आपकी मदद करेगा जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए व्यस्ताता से भरा हो सकता हैं। आज आपका दिन दोस्तों और परिवार के साथ बीतेगा। आपको कोई बड़ा काम निपटाने की जिम्मेदारी मिल सकती है जिसे पूरा करने के लिए आप खूब मेहनत करेंगे। आपके द्वारा किये गये काम के कारण आज समाज में आपको सम्मान मिल सकता है।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज निजी जीवन में सकारात्मकता लाने की कोशिश करेंगे और इसके लिए आप किसी महापुरुष का अनुशरण करेंगे। आपकी ज्यादातर योजनाएं पूरी हो सकती है। आज लोगों से मिलने और बात करने में खुशी महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ रिश्ते में तालमेल बना रहेगा।

सिंह राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपके शत्रु परास्त होंगे। अगर आप नया वाहन लेने का विचार कर रहे है तो परिवार वालों से आपको मदद मिल सकती है। काम के प्रति मेहनत देख कर आपके जूनियर आपसे सीखने की कोशिश करेंगे।

कन्या राशि: आज आपका दिन शानदार रहेगा। आपके रिश्तों में नई चेतना का संचार होगा। स्टूडेंट्स को करियर से संबंधित अच्छे मौके मिलेंगे। नये लक्ष्य को निर्धारित करने के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपसे कोई मदद मांग सकता है। आप उन्हें निराश नहीं करेंगे। किसी काम के लिए आज आप कई बड़े फैसले ले सकते हैं।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए दिन शुभ होने वाला है। जो भी नया करना है, आज पूरा करने का निश्चय करेंगे। आज आप घर की जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निपटा सकते हैं और कामकाज निपटाने में आप बहुत हद तक सफल भी रहेंगे। आज अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा साथ ही धैर्य और विनम्रता रखें।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा होने वाला है। आज आपके धार्मिक गतिविधि में भी शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा हो सकता है। आज आप जरूरी काम और रिश्तों के बारे में विचार करेंगे और नयी योजना बनाएंगे। आज आप दूसरों की जरूरतों और भावनाओं को लेकर सेंसिटिव हो सकते हैं।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे। आज पुरानी देनदारी भी निपटा सकते हैं। आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिलेगी। आज कोई भी कार्य करते समय धैर्य और समझदारी रखें। आज परिवार के कामों में आपका पैसा लग सकता है।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। अपने से बड़े या किसी अनुभवी से सलाह लेकर ही आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे। मेहनत, धैर्य और समझदारी से काम निपटा लेंगे। आपके पास बहुत-सी जिम्मेदारियां हो सकती हैं। धैर्य से काम लेंगे तो काम आसानी से पूरा हो जायेगा। आज का दिन आपके लिए दिन संतोषजनक साबित होगा।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातें समझने का मन बनाकर चलेंगे। आज कोई बुजुर्ग या वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह दे सकता है। आज आपको पुरानी बातें भी याद आ सकती हैं। आज व्यापारिक मामलों में आपकी व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज ट्रांसफर या प्रमोशन के लिए किसी से बात हो सकती है। इसमें आपको सफलता भी मिलेगी। आज आप अपने करियर को बेहतर बनाने के लिये किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आज आज कोई महत्वपूर्ण काम निपट सकते हैं। आज आपके सोच में सकारात्मक बदलाव आयेगा।

दो टूक- टूटते भरोसे के वेंटिलेटर पर देश की परीक्षा व्यवस्था

योगेश कुमार गोयल /

भारत में परीक्षा अब केवल योग्यता का आकलन नहीं रह गई है बल्कि यह करोड़ों सपनों की निर्णायक कसौटी बन चुकी है लेकिन जब यही कसौटी बार-बार संदिग्ध हो जाए, जब मेहनत और ईमानदारी की जगह 'जुगाड़' और 'माफिया नेटवर्क' हावी हो जाएं, तब यह केवल परीक्षा का संकट नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है। पेपर लीक के चलते नीट-यूजी 2026 परीक्षा का रद्द होना, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर उठे गंभीर सवाल और एसएससी जीडी परीक्षा में धांधली, ये घटनाएं मिलकर यह साबित करती हैं कि भारत की परीक्षा प्रणाली अब गहरे संस्थागत संकट में फंस चुकी है और भारत की परीक्षा प्रणाली अब वेंटिलेटर पर है। नीट-यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है। लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवारों के त्याग और वर्षों की तैयारी एक झटके में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा का रद्द होना नहीं था बल्कि उस विश्वास का टूटना था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा बल्कि जांच में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भीतर तक मिलीभगत के आरोप सामने आए।

सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। जिस संस्था को निष्पक्षता की गारंटी देनी थी, वही यदि धांधली का हिस्सा बन जाए तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही खत्म हो जाता है। नीट पेपर लीक की प्रकृति भी सामान्य नहीं थी। 'गेस पेपर' के नाम पर लगभग 150 से अधिक प्रश्नों का हूबहू मिल जाना, परीक्षा से पहले 600 अंकों तक के सवालों का प्रसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रश्नपत्र का घूमना, ये सब किसी संयोग का परिणाम नहीं हो सकते। यह एक संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से सक्षम नेटवर्क का संकेत है, जो परीक्षा प्रणाली की हर कमजोर कड़ी को भेद चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2024 में पेपर लीक के बाद भी कोई ठोस सुधार क्यों नहीं हुआ? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, जांच समितियों और सिफारिशों के बावजूद 2026 में स्थिति और बदतर कैसे हो गई? इसका सीधा अर्थ है कि समस्या तकनीकी कम और इच्छाशक्ति की अधिक है।

भारत की परीक्षा प्रणाली का ढ़ांचा ही कई स्तरों पर कमजोर है। प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर वितरण तक की प्रक्रिया में निजी एजेंसियों और आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी भूमिका रहती है। यही वह जगह है, जहां से माफिया नेटवर्क अपनी जड़ें जमाता है। जब प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहुंचने से पहले ही स्कैन होकर डिजिटल रूप में फैल सकता है तो यह स्पष्ट संकेत है कि सुरक्षा तंत्र केवल कागजों पर मजबूत है, जमीन पर नहीं। दूसरी ओर, कोचिंग उद्योग का अनियंत्रित विस्तार इस संकट को और गहरा कर रहा है। मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं अब हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन चुकी हैं। इस बाजार में 'सफलता' एक उत्पाद है, जिसे खरीदने के लिए छात्र और अभिभावक किसी भी हद तक जाने को मजबूर हैं। इसी मानसिकता का फायदा उठाकर एजुकेशन माफिया 'सीक्रेट पेपर', '100 प्रतिशत सलेक्शन गारंटी' और 'इनसाइडर एक्सेस' जैसे झूठे वादों के जरिए पूरे सिस्टम को खोखला कर रहा है। यदि नीट प्रकरण परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है तो सीबीएसई का ओएसएम विवाद मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर चोट करता है। डिजिटल मूल्यांकन को पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किया गया था लेकिन इसके परिणाम उलटे दिखाई दिए। पास प्रतिशत में गिरावट, मेधावी छात्रों को अपेक्षा से कम अंक मिलना और स्कैन की गई कॉपियों में भारी गड़बड़ियां, ये सब इस बात के संकेत हैं कि तकनीक को बिना पर्याप्त तैयारी और परीक्षण के लागू किया गया। कई छात्रों ने शिकायत की कि उनकी कॉपियां धुंधली थी, कुछ को गलत उत्तर पुस्तिकाएं मिली और कुछ मामलों में तो पूरी कॉपी ही किसी और की थी। यह स्थिति केवल तकनीकी त्रुटि नहीं मानी जा सकती बल्कि यह सरासर गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। यदि एक छात्र की मेहनत को किसी दूसरे की कॉपी से बदल दिया जाए तो यह केवल गलती नहीं है बल्कि उस छात्र के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। शिक्षा मंत्रालय और बोर्ड भले ही इन खामियों को सीमित मामलों तक बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश करें लेकिन छात्रों में बढ़ता असंतोष इस बात का प्रमाण है कि समस्या व्यापक है।तीसरी बड़ी घटना, एसएससी कांस्टेबल जीडी परीक्षा में धांधली, इस बात को और स्पष्ट करती है कि यह संकट किसी एक परीक्षा या संस्था तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में पेपर लीक, तकनीकी खराबी और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण परीक्षा रद्द करनी पड़ी। ग्रेटर नोएडा में यूपी एसटीएफ द्वारा पकड़े गए रैकेट ने इस धांधली के आधुनिक रूप को उजागर किया। प्रॉक्सी सर्वर, स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स और डमी कैंडिडेट्स के जरिए परीक्षा में हेरफेर किया जा रहा था। यह पारंपरिक नकल या पेपर लीक से कहीं अधिक खतरनाक है क्योंकि इसमें तकनीक का इस्तेमाल कर पूरी प्रणाली को भीतर से हैक किया जा रहा है। तीनों घटनाओं को एक साथ देखें तो एक भयावह तस्वीर उभरती है, एक ऐसी व्यवस्था, जहां प्रश्नपत्र सुरक्षित नहीं, मूल्यांकन विश्वसनीय नहीं और परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। सबसे अधिक पीड़ित वह छात्र है, जो ईमानदारी से मेहनत करता है। ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों छात्र, जिनके माता-पिता ने कर्ज लेकर या जमीन गिरवी रखकर उन्हें कोचिंग दिलाई, आज सबसे ज्यादा निराश हैं। एक परीक्षा रद्द होने का मतलब केवल दोबारा परीक्षा देना नहीं होता बल्कि यह मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और आत्मविश्वास के टूटने का कारण बनता है।

नीट यूजी पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्रालय ने शुरू की कार्रवाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। नीट-यूजी प्रवेश परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर सख्त प्रशासनिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके साथ ही मामले की गहन जांच जारी है। सूत्रों के अनुसार, शिक्षा मंत्रालय ने एक निजी कंपनी कोएम्प्ट को विवादास्पद परिचालन अनुबंध दिए जाने के संबंध में औपचारिक रूप से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि जांचकर्ता कंपनी की तकनीकी योग्यता और पिछले प्रदर्शन के रिकॉर्ड की बारीकी से जांच कर रहे हैं, ताकि यह समझा जा सके कि परीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां उसे कैसे सौंपी गईं।

मंत्रालय के उच्च पदस्थ सूत्रों ने स्पष्ट रूप से कहा है कि सरकार कथित डेटा उल्लंघन और पेपर लीक की घटना को अत्यंत गंभीरता से ले रही है। मंत्रालय ने कड़ी चेतावनी जारी की है कि लापरवाही या मिलीभगत के लिए जिम्मेदार पाए जाने वाले किसी भी अधिकारी या बाहरी प्रतिनिधि के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ईडी की विधायक रमन अरोड़ा से पूछताछ ने 'आप' सरकार की भ्रष्टाचार विरोधी छवि का किया पर्दाफाश : रवीश शर्मा

जालंधर, (आरएनएस)। जालंधर मध्य से आम आदमी दल के विधायक रमन अरोड़ा से प्रवर्तन निदेशालय से करीब आठ घंटे की पूछताछ के बाद राज्य की राजनीति गर्मा गई है। टकसाली कांग्रेस नेता और ब्राह्मण कल्याण मंडल पंजाब के पूर्व निदेशक रवीश राज ने इस मामले को बहुत गंभीर बताते हुए आम आदमी दल सरकार की भ्रष्टाचार विरोधी छवि पर सवाल खड़े किए हैं।

रवीश राज ने कहा कि जिस दल ने पंजाब की जनता से ईमानदार और पारदर्शी शासन का वादा किया था, आज उसी दल के विधायक पर गंभीर आरोप लग रहे हैं। समाचार माध्यमों के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय ने रमन अरोड़ा से उनकी संपत्तियों, बैंक खातों और वित्तीय लेन-देन को लेकर पूछताछ की है। यह पूरे मामले की गंभीरता को दिखाता है।

उन्होंने कहा कि यदि किसी जनप्रतिनिधि पर भ्रष्टाचार, अवैध वसूली या पद के दुरुपयोग के आरोप लगते हैं तो निष्पक्ष जांच लोकतंत्र के हित में है। पंजाब की जनता जानना चाहती है कि आम आदमी दल इस मामले पर चुप क्यों है और क्या दल अपने ही सिद्धांतों पर कायम है।रवीश राज ने कहा कि आम आदमी दल हमेशा दूसरे दलों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाता रहा है, लेकिन जब सवाल अपने नेताओं पर उठे तो जवाबदेही से बचा नहीं जा सकता। उन्होंने मांग की कि जांच संस्थाओं को बिना किसी राजनीतिक दबाव के काम करने दिया जाए और दोषी पाए जाने पर कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई हो।

नीतीश कुमार की पार्टी ने बनाया इतिहास, JDU के सदस्यों की संख्या 1 करोड़ से ज्यादा

पटना ,(आरएनएस)। बिहार के सत्तारूढ़ एनडीए में प्रमुख सहयोगी दल जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने प्राथमिक सदस्यों की संख्या में एक इतिहास रचा है। जदयू का दावा है कि उसके प्राथमिक सदस्यों की संख्या एक करोड़ से ज्यादा पहुंच गई है। जदयू के प्रमुख नीतीश कुमार बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने के बाद लगातार संगठन पर ध्यान दे रहे हैं। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने बुधवार को इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए कहा कि एक करोड़ से अधिक सदस्यों वाले जदयू परिवार में आपका स्वागत है। उन्होंने जदयू के प्राथमिक सदस्यों की संख्या एक करोड़ होने की जानकारी सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, हमें बताते हुए खुशी है कि जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार द्वारा 6 दिसंबर 2025 को शुरू किए गए जदयू सदस्यता अभियान 2025 28' के तहत एक करोड़ से अधिक प्राथमिक सदस्य बनाने के पहले लक्ष्य को छह महीने से भी कम समय में हासिल कर लिया गया है। संजय कुमार झा ने आगे बताया कि कल (2 जून 2026) तक पार्टी के प्राथमिक सदस्यों की कुल संख्या एक करोड़ एक हजार नौ सौ पच्चीस हो चुकी है।जदयू नेता ने इसके लिए प्रदेश की जनता का आभार जताते हुए बूथ स्तर तक चलाए जा रहे जदयू सदस्यता अभियान को सफल बनाने में सक्रियता से जुटे सभी कार्यकर्ता साथियों का अभिनंदन किया।

उन्होंने लिखा, अपने जनप्रिय नेता नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में पार्टी बिहार परिवार की सेवा करने तथा बिहारवासियों की अपेक्षाओं पर निरंतर खरा उतरने के लिए संकल्पित और प्रतिबद्ध है। जदयू का सदस्यता अभियान की शुरुआत पार्टी के शीर्ष नेता नीतीश कुमार के नेतृत्व में की गई थी। अभियान का उद्देश्य बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना और नए लोगों को पार्टी से जोड़ना था। पार्टी का कहना है कि अभियान को राज्यभर में अपेक्षा से अधिक समर्थन मिला और कार्यकर्ताओं ने गांव से लेकर शहर तक सक्रिय भागीदारी निभाई।

केरल में कल पहुंचेगा मानसून, 15 से ज्यादा राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश की चेतावनी; राजस्थान-कश्मीर में गिरेंगे ओले

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दक्षिण-पश्चिम मानसून चार जून यानी कल केरल में दस्तक देगा। जिससे देश के कई हिस्सों में बारिश देखने को मिल सकती है। साथ ही तेज़ हवाएं भी चल सकती हैं। मौसम वैज्ञानिक नीथा के. गोपाल ने कहा, अगर मौजूदा मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहता है, तो विभाग 4 जून को आधिकारिक तौर पर मानसून के आगमन की घोषणा कर देगा। आमतौर पर केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून एक जून के आसपास पहुंच जाता है। इस बार इसके पहुंचने में देरी हुई है।

मानसून के आगमन को देखते हुए मौसम विभाग ने केरल में भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बुधवार और गुरुवार के लिए अलाप्पुझा, कोट्टायम, एर्नाकुलम, त्रिशूर और मलप्पुरम ज़िलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किए गए हैं। इसके अलावा, गुरुवार को पथानामथिट्टा और कोझिकोड में भी ज़ोरदार बारिश होने की उम्मीद है। मौसम अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि कुछ इलाकों में कम समय में ही 11 से 20 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक भारत के बड़े हिस्सों में मानसून से पहले बारिश हो सकती है। कई इलाकों में बिजली कड़कने, तेज़ हवाओं और मध्यम से भारी बारिश के साथ आंधी-तूफान आने की उम्मीद है। जिन राज्यों में आंधी-तूफान की गतिविधियां होने की संभावना है, उनमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड शामिल हैं। वहीं, केरल, तमिलनाडु और पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भारी बारिश होने की उम्मीद है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

3-8 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, केरल, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, पुडुचेरी, तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना में भारी बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 50-60 किमी की रफ्तार से आंधी चल सकती है। कुछ जगहों पर 70 किमी की स्पीड से आंधी चलने की संभावना है

जयराम रमेश ने पर्यावरण मंत्री को लिखा पत्र, ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर जताई चिंता

नई दिल्ली,(आरएनएस)। ग्रेट निकोबार द्वीप मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना को लेकर राजनीतिक और पर्यावरणीय बहस एक बार फिर तेज हो गई है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बुधवार को इस परियोजना के खिलाफ गंभीर आपत्तियां दर्ज कराते हुए दावा किया है कि इससे क्षेत्र में बड़ी इकोलॉजिकल तबाही (पारिस्थितिक विनाश) हो सकती है। उन्होंने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को एक विस्तृत पत्र

लिखकर आरोप लगाया कि सरकार ने पर्यावरणीय प्रभाव आकलन यानी एनवायरमेंट इम्पैक्ट असेसमेंट (EIA) के जरूरी और स्थापित मानकों को नजरअंदाज करके इस परियोजना को मंजूरी दी है। जयराम रमेश ने अपने पत्र में कहा कि परियोजना के लिए तैयार की गई ईआईए (EIA) रिपोर्ट खुद इस बात को स्वीकार करती है कि यह केवल एक त्वरित अध्ययन (रैपिड रिकॉनिसेंस स्टडी) था, जिसके लिए आंकड़े महज एक मौसम चक्र के दौरान जुटाए गए थे। उन्होंने तर्क दिया कि द्वीपीय और तटीय क्षेत्रों से जुड़ी इतनी बड़ी परियोजनाओं के लिए हर मौसम (बहु-मौसमी) का विस्तृत अध्ययन अनिवार्य होता है। केवल सेकेंडरी डेटा के आधार पर इतने विशाल प्रोजेक्ट को हरी झंडी देना नियमों के खिलाफ है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पर्यावरण अध्ययन तैयार करने वाली एजेंसियों ने खुद ही अपने काम की समीक्षा की है, जो इसकी निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है

विश्व साइकिल दिवस पर सीएम उमर अब्दुल्ला ने साइक्लोथॉन को दिखाई हरी झंडी

श्रीनगर, (आरएनएस)। विश्व साइकिल दिवस पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर में साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर सीएम अब्दुल्ला ने नागरिकों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन जम्मू-कश्मीर खेल युवा परिषद द्वारा किया गया था। कार्यक्रम रॉयल स्प्रिंग गोल्फ कोर्स से शुरू होकर कश्मीर विश्वविद्यालय में समाप्त हुआ। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लिया, जिनमें स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के साइकिल चालक भी शामिल थे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी ने मीडिया से बातचीत में कहा, यह एक बहुत अच्छी पहल है। हम कश्मीर में इस तरह की खेल गतिविधियों का आयोजन करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले, गोल्फ प्रतियोगिता और मैराथन होती थी। अब, हम साइक्लोथॉन का आयोजन कर रहे हैं। जम्मू साइक्लोथॉन और कश्मीर साइक्लोथॉन भी होंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से, हम युवाओं को खेल गतिविधियों की ओर आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। हमारे लिए, यह पर्यटन को बढ़ावा देने का भी एक माध्यम है। इस तरह के स्पोर्ट्स से जुड़े आयोजन किए जाएंगे। जम्मू-कश्मीर खेल परिषद के सचिव नुजहत गुल ने कहा, खेलों को लेकर जम्मू और कश्मीर खेल परिषद और खेल विभाग की ओर से एक कैलेंडर बनाया जाता है। यह साइक्लोथॉन विश्व साइकिल दिवस मनाने और आलस्य के विरुद्ध आवाज उठाने की एक पहल है। जम्मू-कश्मीर की ओर से यह सशक्त संदेश देने के लिए है कि हम फिटनेस और फिट इंडिया के लिए प्रतिबद्ध हैं। आज हमने जम्मू साइक्लोथॉन का लोगो और शुभंकर लॉन्च किया। प्रचार अभियान और पंजीकरण भी शुरू हो चुके हैं। आज हमने कश्मीर साइक्लोथॉन का भी शुभारंभ किया है। हम जल्द ही इसके लिए भी पंजीकरण शुरू करेंगे।जम्मू और कश्मीर के खेल मंत्री सतीश शर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे और उन्होंने विश्व साइकिल दिवस की शुभकामनाएं दीं।

नई दिल्ली : नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

स्कूलों-मदरसों में वंदे मातरम् पर बवाल, मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मांगी छूट; सरकार ने कहा-राष्ट्रीय गीत का सम्मान जरूरी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में स्कूलों और मदरसों में वंदे मातरम् के गायन को अनिवार्य बनाए जाने के फैसले को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। राज्य सरकार के आदेश के अनुसार सभी स्कूलों और मदरसों की प्रार्थना सभा में पूर्ण राष्ट्रीय गीत का गायन किया जाएगा।

इस निर्णय पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने चिंता व्यक्त की है। बोर्ड ने मांग की है कि इस संबंध में जारी अधिसूचना को तत्काल वापस लिया जाए या कम से कम मुस्लिम छात्रों को इससे छूट दी जाए।

बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. एसक्यूआर इलियास ने एक बयान में कहा कि किसी छात्र को उसकी धार्मिक मान्यताओं के विरुद्ध किसी गीत या पाठ का अनिवार्य रूप से उच्चारण करने के लिए बाध्य करना उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। वहीं राज्य सरकार ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा है कि राष्ट्रीय गीत का सम्मान करना सभी नागरिकों का कर्तव्य है। सरकार का कहना है कि स्कूलों में वंदे मातरम् का गायन भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में एक कदम है। इस मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री Kiren Rijiju ने भी सरकार के फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् पूरे देश का राष्ट्रीय गीत है और इसे किसी एक धर्म, राज्य या समुदाय से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने इस विषय के राजनीतिकरण से बचने की अपील की।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए महाराष्ट्र में तीसरी पर्वतीय सुरंग का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हुआ, यह उच्च गति रेल खंड में तीव्र प्रगति का संकेत है

मुंबई, (आरएनएस)। पर्वतीय सुरंग (एमटी-07) 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी है, इसे उच्च गति वाली बुलेट ट्रेन के सुचारू रूप से संचालन के लिए उन्नत निगरानी और सुरक्षा प्रणालियों के साथ बनाया गया है।

पालघर जिले में महज पांच महीनों में तीन पर्वतीय सुरंगों का निर्माण पूरा होने से देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना को और गति मिली है

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में एक महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग उपलब्धि के रूप में महाराष्ट्र के पालघर जिले के दहानू तालुका के अंबेसारी गांव में तीसरी पर्वतीय सुरंग (एमटी-07) का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हुआ है।

महाराष्ट्र में पिछले पांच महीनों के भीतर तीन पर्वतीय सुरंगों का निर्माण पूरा हो चुका है। यह देश के पहले हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के सबसे तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण खंडों में से एक में हुई तीव्र प्रगति को दर्शाता है।

बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की दोनों ओर की पटरियों के लिए हाल ही में बनकर तैयार हुई एमटी-07 पर्वतीय सुरंग 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी है। इस सुरंग की खुदाई दोनों सिरों से नियंत्रित ड्रिलिंग और विस्फोट विधि द्वारा की गई। निर्माण के दौरान उन्नत इंजीनियरिंग और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया।

खुदाई की पूरी प्रक्रिया की अवधि में संरचनात्मक स्थिरता, श्रमिकों की सुरक्षा और सटीक निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक निगरानी प्रणालियों और भू-तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया गया। सरफेस सेटलमेंट पॉइंट्स (एसएसपी), 3डी टारगेट, स्ट्रेन गेज और सिस्मोग्राफ सहित वास्तविक समय की निगरानी व्यवस्थाओं द्वारा कंपन, सुरंग की गतिविधि और आसपास की संरचनाओं पर निरंतर नजर बनाई रखी गई। सुरंग निर्माण कार्यों के दौरान वेंटिलेशन सिस्टम, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, नियंत्रित पहुंच और निरंतर भू-तकनीकी पर्यवेक्षण सहित व्यापक श्रमिक सुरक्षा उपायों में कोई भी ढील नहीं दी गई।

यह सफलता परियोजना के महाराष्ट्र खंड में पहले हासिल की गई उपलब्धियों पर आधारित है। 1.5 किलोमीटर लंबी पहली पर्वतीय सुरंग (एमटी-05) का निर्माण 2 जनवरी 2026 को पालघर जिले के सफाले के पास पूरा हुआ। यह उपलब्धि महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन परियोजना की पहली सफल पर्वतीय सुरंग निर्माण के रूप में सामने आई। इसके बाद 3 फरवरी 2026 को दूसरी सुरंग (एमटी-06) का निर्माण हुआ, इसमें न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम) का उपयोग करके 454 मीटर लंबी सुरंग खोदी गई। इस तरह पालघर जिले में लगभग एक महीने के भीतर दो सफल निर्माण पूरे हुए।

महाराष्ट्र में निर्माणाधीन सात पर्वतीय सुरंगों में से, एमटी-05, एमटी-06 और एमटी-07 में अब तक खुदाई का काम पूरा हो चुका है। एमटी-08 (350 मीटर) में 5 अक्टूबर 2023 को खुदाई का काम पूरा हो गया था, एमटी-03 की खुदाई 80 प्रतिशत से अधिक पूरी हो चुकी है, एमटी-04 लगभग 60 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जबकि एमटी-01 और एमटी-02 में काम लगातार जारी है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना की कुल आठ पर्वतीय सुरंगों में से सात महाराष्ट्र के पालघर जिले के अंतर्गत आती हैं और एक गुजरात के वलसाड जिले में है और उस सुरंग का काम पहले ही पूरा हो चुका है।

वापी और बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच तीनों पर्वतीय सुरंगों की खुदाई सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए सरकार सतर्क

प्रदेश में उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण, वितरण व्यवस्था पर सतत निगरानी

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के किसानों को समय पर खाद एवं कृषि आदान उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। आगामी खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, मार्कफेड तथा जिला प्रशासन के समन्वय से पूरे प्रदेश में उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

राज्य सरकार ने वैश्विक परिस्थितियों के कारण रासायनिक उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित होने की संभावनाओं को देखते हुए अग्रिम तैयारी की है। उर्वरकों के पर्याप्त भंडारण, समयबद्ध परिवहन और किसानों तक सुगम वितरण सुनिश्चित करने के लिए सभी जिलों के कलेक्टरों, कृषि अधिकारियों, सहकारिता विभाग तथा मार्कफेड को विशेष निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी और अनियमित वितरण पर रोक लगाने के लिए सतत निगरानी की जा रही है।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश के विभिन्न जिलों में उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण उपलब्ध है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण आयातित उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार उर्वरक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यापक रणनीति तैयार कर रही है। वर्तमान में राज्य में 9.29 लाख मीट्रिक टन विभिन्न प्रकार के रासायनिक खाद का स्टॉक गोदामों और सोसायटियों में उपलब्ध है। जबकि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रयास से केन्द्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को इस खरीफ सीजन के लिए 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का लक्ष्य आबंटित हुआ हजिसमें यूरिया 7.25 लाख, डीएपी 3 लाख, एमओपी 80 हजार, एनपीके 2.5 लाख तथा एसएसपी 2 लाख मीट्रिक टन शामिल हैं। वर्तमान में प्रदेश के गोदामों एवं समितियों में लगभग 9.29 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है।

कृषि विभाग के संचालक राहुल देव ने बताया कि किसानों को पर्याप्त खाद्य मिले इसके लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि जून 2026 अंतर्गत 1 जून 2026 की स्थिति में रेक प्वाइंट तिल्दा, जिला रायपुर में 1319 मीट्रिक टन यूरिया, रेक प्वाइंट बेलसोंडा महासमुंद 1316 मीट्रिक टन यूरिया इसी प्रकार रेक प्वाइंट खरसिया, जिला रायगढ़ 2646 मीट्रिक टन यूरिया और रेक प्वाइंट जिला बालोद में 1319 मीट्रिक टन यूरिया, इस तरह कुल 6600 मीट्रिक टन यूरिया की खेप आने वाली हैं। इससे किसानों को काफी राहत मिलेगी। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गरियाबंद जिले में वर्तमान में 17,818 मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरक तथा नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इसी प्रकार खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले की मुकुरमुडा समिति में खरीफ सीजन के लिए 362 मीट्रिक टन उर्वरकों का अग्रिम भंडारण किया गया है। किसानों को गांवों के निकट ही खाद उपलब्ध कराने के लिए अतिरिक्त गोदामों की व्यवस्था भी की गई है। वहीं मुंगेली जिले में यूरिया वितरण के दौरान तकनीकी प्रक्रिया के कारण उत्पन्न हुई अस्थायी स्थिति का तत्काल समाधान कर प्रशासन एवं कृषि विभाग की निगरानी में किसानों को व्यवस्थित रूप से खाद उपलब्ध कराया गया। बस्तर जिले में खरीफ 2026 हेतु उर्वरक भंडारण एवं वितरण का कुल लक्ष्य 46,050 मीट्रिक टन निर्धारित है, जिसके विरुद्ध वर्तमान में सहकारी समितियों एवं निजी विक्रेताओं के पास 18,341 मीट्रिक टन तथा मार्कफेड एवं थोक विक्रेताओं के पास 11,378 मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है।

अगर हाथ-पैर काट दिए जाएं तो शायद लोग कानून का पालन करना सीख जाए', कर्नाटक हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

बेंगलुरु ,(आरएनएस)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने दुष्कर्म के एक मामले की सुनवाई के दौरान अपराधों पर लगाम लगाने के लिए कठोर दंड व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर देते हुए सख्त टिप्पणियां की हैं। अदालत ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ प्रभावी और कड़ी कार्रवाई नहीं होने के कारण कानून का भय कम होता जा रहा है और यही वजह है कि गंभीर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं।न्यायमूर्ति आर. नटराज ने 23 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र की जमानत

याचिका खारिज करते हुए कहा कि अपराधों को रोकने के लिए कानून का सख्ती से पालन और दोषियों को कड़ी सजा मिलना आवश्यक है। आरोपी छात्र अप्रैल की शुरुआत से न्यायिक हिरासत में है और उस पर वर्ष 2023 में अपनी पूर्व सहपाठी के साथ यौन उत्पीड़न करने का आरोप है।जस्टिस आर. नटराज ने छात्र की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा, कानून के दांत इसलिए टूट गए हैं, क्योंकि हम अपराधियों से सख्ती से नहीं निपटते। अगर आप किसी का हाथ या पैर काट दें तो शायद लोग कानून का पालन करना सीख जाएंगे। क्योंकि हमारा देश एक लोकतंत्र है इसलिए हर कोई इसका फायदा उठाता है।अदालत ने इस बात पर भी चिंता जताई कि गंभीर अपराधों को अंजाम देने वालों के खिलाफ पर्याप्त सख्ती नहीं बरती जाती, जिसके कारण समाज में गलत संदेश जाता है। न्यायमूर्ति ने कुछ पश्चिम एशियाई देशों में लागू कठोर दंड व्यवस्थाओं का भी संदर्भ दिया।

ट्रंप का बड़ा बयान, 'मैं किसी दिन ईरान के अयातुल्ला से मिलूंगा', बोले- अगर मैं नहीं होता तो आज इजरायल भी नहीं होता

वॉशिंगटन(ए.)- अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर मध्य पूर्व की राजनीति और ईरान-इजरायल तनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने दावा किया कि इजरायल की सुरक्षा और अस्तित्व को बनाए रखने में उनकी भूमिका निर्णायक रही है। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि वे हस्तक्षेप नहीं करते तो आज इजरायल का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता था।ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान और पश्चिमी देशों के बीच तनाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर लगातार बयानबाजी जारी है।

अयातुल्ला से मुलाकात के संकेत

ईरान के मुद्दे पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि भविष्य में उनकी ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला से मुलाकात हो सकती है। उन्होंने दावा किया कि ईरान पहले ही परमाणु हथियार विकसित न करने की दिशा में सहमति जता चुका है, हालांकि हालात बदल भी सकते हैं।ट्रंप ने कहा कि ईरान की सैन्य क्षमता पहले की तुलना में कमजोर हुई है और क्षेत्र में शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है।

"इजरायल को बचाने के लिए उठाए गए कदम"

ईरान के साथ संघर्ष को लेकर पूछे गए सवाल पर ट्रंप ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना था। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हमेशा अपने सहयोगी इजरायल की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।ट्रंप ने दावा किया कि उनके नेतृत्व में उठाए गए कदमों ने क्षेत्रीय हालात को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इजरायल को मजबूत समर्थन मिला।

जेडी वेंस और मार्को रुबियो की जमकर तारीफ

घरेलू राजनीति पर बात करते हुए ट्रंप ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की खुलकर सराहना की। उन्होंने दोनों नेताओं को बेहद प्रतिभाशाली बताते हुए कहा कि वे अमेरिकी राजनीति में मजबूत नेतृत्व की क्षमता रखते हैं।ट्रंप ने कहा कि दोनों नेता मिलकर भविष्य में रिपब्लिकन पार्टी के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं।

बाइडन पर भी साधा निशाना

पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ 2024 की चुनावी बहस का जिक्र करते हुए ट्रंप ने उन पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि बहस के दौरान उन्हें बाइडन की स्थिति देखकर हैरानी हुई थी और तभी उन्हें लगा था कि चुनावी मुकाबले में उनकी बढ़त मजबूत है।ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ अपने संबंधों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ मौकों पर दोनों नेताओं के बीच रणनीतिक मुद्दों को लेकर मतभेद रहे, खासकर लेबनान से जुड़े सैन्य अभियानों को लेकर।हालांकि ट्रंप ने कहा कि इन मतभेदों के बावजूद अमेरिका और इजरायल के संबंध मजबूत बने हुए हैं और दोनों देशों की सुरक्षा साझेदारी भविष्य में भी जारी रहेगी।

कुवैत में अमेरिकी ठिकानों पर ईरान ने कर दिया हमला

कुवैत सिटी,(ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य टकराव के कारण खाड़ी क्षेत्र में तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। इस बीच एक बड़े घटनाक्रम में ईरान ने कुवैत में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। इस दावे के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बेहद संवेदनशील हो गई है और कुवैत की सेना को हाई अलर्ट पर रख दिया गया है। बुधवार को कुवैत के कई हिस्सों में अचानक तेज धमाकों की आवाजें सुनाई देने से हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कुवैत की सेना के जनरल स्टाफ ने एक आधिकारिक बयान जारी कर स्थिति स्पष्ट की।सेना ने पुष्टि की कि नागरिकों द्वारा सुनी गई धमाकों की आवाजें दरअसल उसके एयर डिफेंस सिस्टम की सक्रियता के कारण थीं। कुवैती सैन्य अधिकारियों के अनुसार, देश के एयर डिफेंस सिस्टम ने मुस्तैदी दिखाते हुए आसमान में ही दुश्मन की कई मिसाइलों और ड्रोनों को इंटरसेप्ट कर उन्हें सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया।

अमेरिका ने भारत को दिया बड़ा झटका, व्यापार समझौते के दौरान 12.5% अतिरिक्त टैक्स लगाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को अंतिम रूप देने के लिए नई दिल्ली में चल रही महत्वपूर्ण बैठकों के बीच एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (USTR) ने भारत सहित 54 देशों पर 12.5त्न अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने का एक बड़ा प्रस्ताव रख दिया है। अमेरिका ने यह सख्त कदम उन देशों पर लगाया है जो अपने यहां बंधुआ मजदूरी से तैयार होने वाली वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाने और उसे प्रभावी ढंग से लागू करने में पूरी तरह असफल रहे हैं। इस फैसले की टाइमिंग ने भारतीय व्यापारिक हलकों में खलबली मचा दी है, क्योंकि इस वक्त दोनों देश एक बड़े व्यापार सौदे को अंतिम रूप देने के बेहद करीब थे।

अमेरिकी श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए उठाया कदम- जैमीसन ग्रीर

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (USTR) जैमीसन ग्रीर ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इस कड़े फैसले की वजह साफ की है। उन्होंने सीधे शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा, 'हमारे सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक व्यापारिक साझेदारों द्वारा बंधुआ मजदूरी से निर्मित वस्तुओं के आयात पर रोक लगाने में विफल रहना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। इससे एक ऐसी अनैतिक और असमान स्थिति पैदा होती है, जिसमें अमेरिकी श्रमिकों को वैश्विक बाजार में भारी नुकसान और असमान प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है।' उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका अब इस असमानता को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा और इसका उल्लंघन करने वाले देशों पर अतिरिक्त शुल्क थोपा जाएगा।

अमेरिका ने 60 देशों के खिलाफ की थी खुफिया जांच

मिली जानकारी के अनुसार, अमेरिकी प्रशासन ने कुछ समय पहले दुनिया के 60 देशों के खिलाफ एक गुप्त और व्यापक जांच शुरू की थी। इस जांच का मुख्य आधार यह पता लगाना था कि कौन-से देश बंधुआ मजदूरी से बनने वाले सामानों के आयात को रोकने में ढिलाई बरत रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद, 1974 के अमेरिकी व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत यह दंडात्मक प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसने भारत की चिंताओं को बढ़ा दिया है क्योंकि भारत इस वक्त अमेरिका के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को एक नए स्तर पर ले जाने की कोशिश कर रहा था। USTR (यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव) की धारा 301 अमेरिकी व्यापार अधिनियम 1974 का सबसे घातक और प्रमुख कानूनी प्रावधान है। यह कानून अमेरिकी सरकार को यह असीमित अधिकार देता है कि वह अपने किसी भी व्यापारिक साझेदार देश की अनुचित व्यापार नीतियों, नियमों या वहां प्रचलित गलत परंपराओं की गहन जांच कर सके।

कोर्ट के सामने बिलखती रहीं 8 जवान बेटियां, घर छोड़ मां दूसरे पति के साथ चली गई

लाहौर (ए.)। पाकिस्तान के लाहौर में एक पारिवारिक विवाद से जुड़ा मामला इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। लाहौर हाई कोर्ट के आदेश के बाद एक महिला अपने दूसरे पति के साथ चली गई, जबकि उसकी पहली शादी से जन्मी आठ बेटियां पीछे रह गईं। इस घटनाक्रम से जुड़े कुछ वीडियो

सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें बेटियां अपनी मां से बिछड़ने पर भावुक होती दिखाई दे रही हैं।पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, गुलाम हुसैन नामक व्यक्ति ने अदालत में याचिका दायर कर दावा किया था कि उसकी पत्नी शबनम बीबी को उसके परिजनों द्वारा कथित तौर पर अवैध रूप से रोका गया है।

याचिका में उसने अदालत से हस्तक्षेप कर पत्नी को उसके साथ रहने की अनुमति देने की मांग की थीमामले की सुनवाई के दौरान शबनम बीबी ने अदालत के समक्ष बयान दिया कि उसने गुलाम हुसैन से विवाह किया है और वह अपनी इच्छा से उसके साथ रहना चाहती है। महिला के बयान के आधार पर अदालत ने उसे अपने पति के साथ जाने की अनुमति प्रदान कर दीबाप गुज़र गया तो मां ने आठों जवान बेटियों न सिर्फ पहचानने से इंकार किया बल्कि दूसरी शादी कर लीये नजर पाकिस्तानी कोर्ट का बताया जा रहा है जहां पर बेटियों ने मां को अपने घर वापस लाने के लिए पिटिशन दायर की थी पर जज ने मां को अपनी जिंदगी गुजारने का हक़ का हवाला देते हुए शादी अदालत के बाहर उस समय भावुक दृश्य देखने को मिले जब महिला की बेटियां अपनी मां के फैसले से व्यथित नजर आईं।

रूसी तेल खरीद पर छूट खत्म करेगा अमेरिका!, कच्चे तेल की सप्लाई पर मंडरा सकता है संकट

नई दिल्ली (ए.)। रूस से रियायती दरों पर कच्चा तेल खरीदने वाले भारत के लिए आने वाले दिनों में नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने संकेत दिया है कि वाशिंगटन रूसी तेल खरीद पर दी गई छूट (सैंक्शंस वेवर) को लंबे समय तक जारी रखने के पक्ष में नहीं है और इसे जल्द समाप्त करना चाहता है।अमेरिकी सीनेट की फॉरेन रिलेशंस कमेटी की सुनवाई के दौरान रुबियो ने कहा कि रूसी तेल पर प्रतिबंध अमेरिकी नीति का हिस्सा है और मौजूदा छूट केवल एक अस्थायी व्यवस्था है। उन्होंने कहा, हम इस छूट को जितनी जल्दी संभव हो समाप्त करना चाहते हैं। इसे वैश्विक तेल आपूर्ति बनाए रखने के लिए दिया गया था।मौजूदा वेवर 17 जून को समाप्त होने वाला है। यह छूट पहली बार मार्च में लागू की गई थी और बाद में दो बार बढ़ाई गई। यूक्रेन युद्ध और ईरान से जुड़े क्षेत्रीय तनावों के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए अमेरिका ने यह कदम उठाया था। भारत इस व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभार्थी रहा है। पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद रूस ने भारी छूट पर कच्चा तेल बेचना शुरू किया, जिससे भारत दुनिया के प्रमुख खरीदारों में शामिल हो गया। इससे देश को कम कीमत पर ऊर्जा उपलब्ध हुई और घरेलू अर्थव्यवस्था को भी राहत मिली।रुबियो ने स्वीकार किया कि इस छूट का लाभ केवल भारत को ही नहीं, बल्कि कई अन्य अर्थव्यवस्थाओं को भी मिला है। उनके अनुसार, रूसी तेल की आपूर्ति ने वैश्विक बाजार में कीमतों को नियंत्रित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हालांकि अमेरिका का लंबे समय से यह तर्क रहा है कि रूस के तेल निर्यात से मिलने वाला राजस्व यूक्रेन युद्ध को वित्तीय समर्थन देता है। इसी वजह से वाशिंगटन चाहता है कि भारत समेत बड़े आयातक देश धीरे-धीरे रूसी तेल पर अपनी निर्भरता कम करें।इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। अमेरिका का आरोप था कि भारत रूसी तेल खरीदकर अप्रत्यक्ष रूप से मॉस्को को आर्थिक सहायता पहुंचा रहा है। हालांकि बाद में दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के तहत इस अतिरिक्त टैरिफ को वापस लेने का निर्णय लिया गया।

फीचर

गर्मियों में शरीर को भरपूर हाइड्रेशन और ठंडक दे सकते हैं तरबूज के ये 5 पेय

गर्मियों में आने वाले फलों में से एक तरबूज में भरपूर पानी और कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जिस वजह से पोषण विशेषज्ञ इसे डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं।हालांकि, अगर आपका बच्चा या घर में से कोई व्यक्ति तरबूज का सेवन करना पसंद नहीं करता है तो आप इस फल को स्वादिष्ट पेय का रूप देकर उन्हें इसके फायदे दे सकते हैं।आइए आज हम आपको तरबूज के विभिन्न पेय की रेसिपी बताते हैं।

तरबूज लेमनेड

इसके लिए पहले एक जग में तरबूज का रस और थोड़ा नींबू का रस मिलाएं।अब एक सॉस पैन में चीनी और एक कप पानी उबालें। जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए तो इसे तरबूज वाले मिश्रण में मिलाएं।इसके बाद इसे गिलास में भरें और बर्फ के कुछ टुकड़े डालकर इसका आनंद लें।यह पेय इम्यूनिटी को बढ़ावा देने और पाचन को सुधारने में भी मदद कर सकता है।यहां जानिए गर्मियों के लिए लाभदायक अन्य पेय।

तरबूज की स्मूदी

सबसे पहले मिक्सी में तरबूज के टुकड़े, दूध और बर्फ को डालकर अच्छे से ब्लेंड करें, फिर इसे परोसें।अगर आप दूध का इस्तेमाल करना पसंद नहीं करते हैं तो योगर्ट से स्मूदी तैयार कर सकते हैं।इसके अतिरिक्त आप इस स्मूदी को नारियल पानी, बर्फ और थोड़े सोडे के साथ भी इसे बना सकते हैं। बस इसमें अधिक तरबूज के टुकड़े डालें।यहां जानिए त्वचा के लिए लाभदायक स्मूदी की रेसिपी और उसके फायदे।

तरबूज मोजितो

यह मीठे-रसदार तरबूज, खट्टे नींबू और ताजे पुदीने का एक उत्तम मिश्रण है।इसे बनाने के लिए तरबूज के टुकड़ों को अच्छे से ब्लेंड करें और फिर इसे छान लें।अब एक गिलास में नींबू का रस, पुदीने के पत्ते और थोड़ी-सी चीनी या शहद डालकर अच्छे से मिलाएं, फिर इसमें बर्फ डालें और इसके ऊपर तरबूज का रस डालें।इसके बाद गिलास में सोडा पानी डालें, फिर इसमें तरबूज के कुछ छोटे टुकड़े डालकर इन्हें परोसें।

वॉटरमेलन चिया कूलर

इसे बनाने के लिए सबसे पहले तरबूज (बीज निकले हुए) को मिक्सी में पीस लें।अब इसे एक गिलास में छानकर नींबू के रस के साथ मिलाएं, फिर गिलास में थोड़ा काला नमक, बारीक कटी पुदीने की पत्तियां (वैकल्पिक) और शुगर सीरप (स्वादानुसार) मिलाएं।अंत में इसमें ठंडा पानी और चिया सीड्स डालें, फिर इस स्वादिष्ट पेय का आनंद लें।

तरबूज का फ्लेवर वॉटर

इसे बनाने के लिए सबसे पहले जार में तरबूज के छोटे-छोटे टुकड़े, थोड़ा सा नींबू का रस और तुलसी की ताजा पत्तियां डालें।अब इसमें ठंडा पानी और कुछ बर्फ के टुकड़े डालें। यकीनन यह आपको बहुत पसंद आएगा।आप चाहें तो ऐसे ही आइस्ड टी बना सकते हैं, बस इस मिश्रण में ग्रीन टी को बनाकर और ठंडा करके इसमें मिलाएं।यहां जानिए अन्य फ्लेवर वॉटर की रेसिपी।

नितिन की फिल्म थम्मुडु से सामने आया बड़ा अपडेट, अभिनेत्री वर्षा बोलम्मा करेंगी फिल्म में काम

अभिनेता नितिन की आने वाली फिल्म थम्मुडु को लेकर दर्शक उत्साहित नजर आ रहे हैं। फिल्म में दमदार एक्शन देखने को मिल सकता है। फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी वेणु श्रीराम के कंधों पर है। शूटिंग शुरू होने के बाद से ही आए दिन इस फिल्म से जुड़ी नई-नई जानकारी सामने आ रही है।

फिल्म थम्मुडु से जुड़ा ताजा अपडेट यह है कि अभिनेत्री वर्षा बोलम्मा भी इसमें अभिनय करते हुए नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में उनका किरदार ज्यादा बड़ा नहीं होगा। इस खबर से उनके फैंस के बीच खुशी का माहौल है। वे वर्षा के छोटे किरदार को भी देखने के लिए उतावले नजर आ रहे हैं। वर्षा बोलम्मा की फिल्म में एंट्री को लेकर आधिकारिक घोषणा जल्द की जा सकती है। बता दें कि वर्षा ने इससे पहले फिल्म ऊरु पेरू भैरवकोना में काम किया था। यह फिल्म इस साल 14 फरवरी को रिलीज हुई थी।थम्मुडु में नितिन के अलावा सप्तमी गौड़ा भी मुख्य भूमिका अदा कर रही हैं। दर्शक उन्हें कांतारा फिल्म से जानते हैं। फिल्म में अभिनेत्री लया भी काम करती दिखाई देंगी। इस फिल्म में उन्होंने नितिन के किरदार की बहन भूमिका निभाई हैं। फिल्म का निर्माण दिल राजू कर रहे हैं। यह तीसरा मौका है, जब नितिन और दिल राजू एक साथ काम कर रहे हैं। नितिन के फैंस को उम्मीद है कि यह फिल्म धमाल मचाएगी। उनकी पिछली फिल्म एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी मैन से दर्शकों को निराशा हाथ लगी थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा सकी थी। मालूम हो कि फिल्म के एक एक्शन सीन को शूट करने के दौरान नितिन चोटिल भी हो चुके हैं।

पुष्पा 2 का पुष्पा पुष्पा बना 3 भाषाओं में दुनियाभर में ट्रेंड होने वाला पहला गाना

अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2- द रूल का पहला गाना पुष्पा पुष्पा बीते दिन रिलीज किया गया था, जिसे प्रशंसकों का खूब प्यार मिला।यह गाना हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और बंगाली भाषा में रिलीज किया गया।अब गाने पुष्पा पुष्पा ने अपने नाम बड़ी उपलब्धि हासिल की है।दरअसल, यह गाना 3 भाषाओं में दुनिया भर में ट्रेंड करने वाला पहला गाना बन गया है। निर्माताओं ने खुद इस खबर की जानकारी दी है।रॉकस्टार डीसीपी के लिखे गाने पुष्पा-पुष्पा को 6 भाषाओं में रिलीज किया गया है. पुष्पा-पुष्पा गाने के लिरिकल वीडियो ने पूरे इंटरनेट पर हलचल मचा दी है. फैंस अल्लू अर्जुन के स्टेप्स के कायल हो गए हैं और गाने पर भरपूर प्यार लुटा रहे हैं. वीडियो में पुष्पा ब्रांड की ताकत को दिखाया गया है.

गाने के जबरदस्त हुक स्टेप ने पुष्पाइज्म के क्रेज को बढ़ा दिया है, जो पुष्पा- द राइज के डेब्यू के बाद से पॉप कल्चर का हिस्सा बन गया है.

शिमरी साड़ी पहन अमायरा दस्तूर ने गिराई हुस्न की बिजलियां, कैमरे के सामने दिए स्टनिंग पोज

बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेर कर लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर आए दिन अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने एथनिक लुक्स की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस लुक देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर आए दिन अपने लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर एक बार फिर से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है।इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं अमायरा दस्तूर ने शिमरी गोल्डन कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद स्टाइलिश लग रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस आए दिन अपने स्टाइलिश लुक्स से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए एक्ट्रेस ने बेहद प्यारा सा कैप्शन भी शेयर किया है।उन्होंने कैप्शन में लिखा है 'जस्ट विंगिंग इट, लाइफ, आईलाइनर सबकुछ'. वहीं दूसरी फोटोज के साथ उन्होंने लिखा 'मेरे गोल्डन गर्ल एरा में।'एक्ट्रेस की इन फोटोज पर फैंस लाइक्स और कॉमेंट्स कर के खूब प्यार लुटा रहे हैं।

अगर आप भी सुबह बिना ब्रश किए पीते हैं पानी तो जान लें ये जरूरी बात, जानें सुबह पानी पीने का सही समय

क्या आप भी सुबह उठकर बिना ब्रश किए सबसे पहले पानी पीते हैं. अगर हां तो कितना. दरअसल, बहुत से लोग सुबह उठकर खाली पेट खूब सारा पानी पीते हैं. उनका मानना है कि इससे शरीर की गंदगी बाहर निकलती है. डॉक्टर्स का कहना है कि एक दिन में कम से कम 10-12 ग्लास पानी पीना चाहिए लेकिन क्या ब्रश ब्रश किए बिना पानी पीना चाहिए या इससे कोई नुकसान है. आइए जानते हैं इसका जवाब...

सुबह बिना ब्रश पानी पीना चाहिए या नहीं

1. सुबह-सुबह पानी पीने से सेहत अच्छी बनी रहती है. इससे पूरे दिन आपका शरीर हाइड्रेटेड रहता है. ऐसा करने से पेट से जुड़ी समस्याएं नहीं होती है. आपकी स्किन हमेशा चमकदार बनी रहती है.

2. हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि बिना ब्रश किए पानी पीना फायदेमंद होता है. इससे पाचन शक्ति मजबूत होती है. इसके अलावा दिन में जो कुछ भी खाते-पीते हैं, वह आसानी से पच जाता है. सुबह ब्रश करने से पानी पीने से शरीर कई बीमारियों से बच जाता है.

3. सुबह उठकर बिना ब्रश किए खाली पेट अगर पानी पीते हैं तो रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी काफी ज्यादा स्ट्रॉन्ग हो जाती है. आप जल्दी से सर्दी, खांसी, जुकाम की चपेट में नहीं आते हैं और कई सारी बीमारियां शरीर से दूर ही रहती हैं.

4. लंबे, घने बाल और ग्लोइंग स्किन के लिए सुबह ब्रश करने से पहले पानी पीना फायदेमंद होता है. इससे पेट की हर समस्या का खात्मा भी हो सकता है. कब्ज, कच्ची डकार, मुंह के छाले से भी निजात मिलती है.

5. हाई ब्लड प्रेशर और शुगर के मरीजों के सुबह ब्रश से पहले पानी पीना चाहिए. ऐसा करने से उनका बीपी कंट्रोल रहता है. इस आदत से मोटापा भी नहीं होता है और वेट में मेंटेन रहता है.

6. मुंह से बदबू आती है तो सुबह उठकर एक गिलास गुनगुना पानी पीना फायदेमंद हो सकता है. दरअसल, रात में सोते समय मुंह में सलाइवा की कमी हो जाती है, जिससे मुंह सूख जाता है और कई तरह के बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं, इससे मुंह बदबू करने लगता है. ऐसे में सुबह उठकर एक गिलास गुनगुना पानी पीने से यह समस्या समाप्त हो जाएगी.

राज्यपाल रमेन डेका ने लोक भवन में खनिज विभाग के सचिव पी. दयानंद से चर्चा करते हुए छत्तीसगढ़ की नदियों और बड़े नालों में रेत खनन की गतिविधियों को वैज्ञानिक, संतुलित और व्यवस्थित ढंग से संचालित किए जाने के संदर्भ में चर्चा की।

दर्दनाक हादसा : साप्ताहिक बाजार में गिरी आकाशीय बिजली, महिला की मौत, 10 घायल

दंतेवाड़ा(आरएनएस) । जिले के चंदेनार साप्ताहिक बाजार में मंगलवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद बाजार में अफरा-तफरी मच गई और लोगों में दहशत फैल गई।जानकारी के अनुसार, चंदेनार साप्ताहिक बाजार में बड़ी संख्या में ग्रामीण खरीदारी के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान अचानक मौसम ने करवट ली और तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिर गई। बिजली की चपेट में कुल 11 लोग आ गए, जिनमें एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में घायल 10 लोगों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार, एक घायल की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जबकि अन्य घायलों को आवश्यक उपचार दिया जा रहा है।घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची तथा राहत और बचाव कार्य शुरू किया।

छत्तीसगढ़ में बदलेगा मौसम, अगले 5 दिनों तक आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा

मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

रायपुर, (रायपुर)। प्रदेश के अलग-अलग शहरों में गरज-चमक के साथ बारिश की वजह से तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है. इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। छत्तीसगढ़ में प्री मानसून एक्टिविटी जारी है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो सुकमा सर्वाधिक बारिश 20 मिमी दर्ज की गई। साथ ही पेंड्रा रोड और जगदलपुर में भी बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश पर तीन सिस्टम सक्रिय हैं, इस वजह से गरज-चमक के साथ बारिश का दौर जारी है।

राजनांदगांव सबसे गर्म, पेंड्रा रोड सर्वाधिक ठंडा शहर

छत्तीसगढ़ का सबसे गर्म शहर राजनांदगांव रहा, यहां अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रायपुर में 39.2 डिग्री, बिलासपुर में 39 डिग्री, पेंड्रा रोड में 36.2 डिग्री, अंबिकापुर में 36.1 डिग्री, जगदलपुर में 35.2 डिग्री और दुर्ग में अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस मापा गया। पेंड्रा रोड प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा। यहां मंगलवार को न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

अगले 5 दिनों तक ऐसा ही रहेगा मौसम

मौसम विभाग के मुताबिक अगले 5 दिनों तक आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा। अगले 2 दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। रायपुर, सरगुजा, जशपुर, सूरजपुर, कोरिया, कांकेर, दंतेवाड़ा, बस्तर, बीजापुर, सुकमा समेत 16 जिलों के लिए मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है।

सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री पहुंचे बीजापुर के सुदूर गांव कोण्डापल्ली, जनचौपाल में सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

रायपुर, (आरएनएस)। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज बीजापुर जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र स्थित ग्राम कोण्डापल्ली पहुंचे, जहां उन्होंने जनचौपाल में ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और जनता के बीच की दूरी को समाप्त करना है। सरकार स्वयं गांव-गांव पहुंचकर यह सुनिश्चित कर रही है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है या नहीं तथा लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है या नहीं।जनचौपाल के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को योजनाओं के अंतर्गत लाभ वितरित किए गए। वनाधिकार मान्यता पत्र, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री आवास योजना, श्रम कार्ड, किसान हितग्राही योजनाओं सहित विभिन्न विभागों से जुड़े लाभार्थियों चर्चा किएमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों से प्राप्त आवेदनों और समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी है जब जरूरतमंद व्यक्ति तक समय पर उसका लाभ पहुंचे।

आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की हुई मौत

बीजापुर (ए.)। जिले के उसूर विकासखंड के पेरमपल्ली में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान कलमू मल्ली (50) के रूप में हुई है। यह घटना मंगलवार शाम करीब 5 बजे हुई, इस दौरन महिला घर से बाहर काम कर रही थी। बिजली गिरने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। राजस्व अधिकारियों ने गांव पहुंचकर घटना का पंचनामा तैयार किया है। मृतक का पोस्टमार्टम आज बुधवार को आवापल्ली अस्पताल करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इसके साथ ही, उसूर के थानापारा क्षेत्र में आंधी-तूफान ने पांच मकानों की छतों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इन मकानों के शीट उड़ गए, जिससे पांच परिवार बेघर हो गए। प्रभावित परिवारों में लक्ष्मैया सुन्नम, कृपावती चिप्पनपल्ली और नारायण सुन्नम शामिल हैं, जो अब तिरपाल का उपयोग कर रहे हैं।

परला पंचायत में सरपंच -सचिव पर विकास कार्यों की राशि हड़पने का आरोप, जनदर्शन में ग्रामीणों ने खोला मोर्चा, दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग

कोरबा-पोंडी उपरोड़ा (आरएनएस)। जनपद पंचायत पोड़ी-उपरोड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत परला में पंचायत संचालन और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। पंचायत के उपसरपंच, पंचों तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर जनदर्शन कार्यक्रम में शिकायत दर्ज कराते हुए सरपंच और सचिव पर शासकीय राशि के दुरुपयोग, विकास कार्यों में लापरवाही तथा पंचायत व्यवस्था को मनमाने ढंग से संचालित करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के बाद मामले ने प्रशासनिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बना दिया है।

ग्रामीणों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि ग्राम पंचायत परला में वर्ष 2023-24 से लेकर वर्तमान तक 15वें वित्त आयोग, मूलभूत मद तथा जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) से प्राप्त राशि का उपयोग निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के विपरीत किया गया है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि पंचायत की बैठकों में पंचों को पर्याप्त जानकारी नहीं दी जाती और कई मामलों में उनकी उपस्थिति के बिना ही प्रस्ताव पारित कर दिए जाते हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णयों में पारदर्शिता का अभाव है, जिससे जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि पंचायत क्षेत्र में ग्राम सभा का नियमित आयोजन नहीं किया जा रहा है। पंचायत प्रतिनिधियों का आरोप है कि ग्राम सभा नहीं होने के कारण विकास कार्यों, योजनाओं और पंचायत निधियों के उपयोग की जानकारी आम नागरिकों तक नहीं पहुंच पा रही है। इससे ग्रामीणों को अपने अधिकारों और पंचायत की गतिविधियों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं मिल रही है। जनदर्शन में पहुंचे ग्रामीणों ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि पंचायत क्षेत्र में लगभग 125 राशन कार्डधारी हितग्राही हैं, लेकिन पिछले 4 महीनों से कई परिवारों को नियमित रूप से खाद्यान्न सामग्री नहीं मिल रही है। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पात्र हितग्राहियों के बजाय चुनिंदा लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे अनेक परिवार सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे हैं।

शराब दुकानों के गार्डों से अवैध वसूली का आरोपः नई भर्ती के लिए 35 हजार और वर्दी के नाम पर मांगे 15 हजार रुपए

कोरबा (आरएनएस)। जिले की सरकारी शराब दुकानों में तैनात सुरक्षा गार्डों ने सुरक्षा एजेंसी के अधिकारियों पर नई भर्ती और वर्दी के नाम पर अवैध वसूली का गंभीर आरोप लगाया है। गार्डों का कहना है कि उनसे वर्दी के लिए 15-15 हजार रुपए और नई भर्ती के नाम पर 35 हजार रुपए तक की मांग की जा रही है। मामले से जुड़ा एक कथित ऑडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।सुरक्षा गार्डों ने जिला आबकारी अधिकारी को लिखित शिकायत सौंपकर सुरक्षा कंपनी के अधिकारियों पर जबरन पैसे वसूलने का आरोप लगाया है। शिकायत में कंपनी को सीएसएमसीएल से ब्लैकलिस्ट करने की मांग भी की गई है।गार्डों के अनुसार, कंपनी के फील्ड ऑफिसर बृजराज सिंह चैहान द्वारा प्रत्येक गार्ड से 15 हजार रुपए मांगे जा रहे हैं। पैसे नहीं देने पर 40 से 60 हजार रुपए तक की मांग और नौकरी से हटाने की धमकी दी जा रही है। गार्डों का आरोप है कि उन्हें सात दिनों के भीतर रकम जमा करने का दबाव बनाया जा रहा है।शिकायत में यह भी कहा गया है कि जो कर्मचारी पैसे देने का विरोध कर रहे हैं, उनसे दबाव बनाकर वीडियो बयान रिकॉर्ड करवाए जा रहे हैं। वहीं एक गार्ड ने कथित बातचीत की कॉल रिकॉर्डिंग कर उसे सबूत के तौर पर अधिकारियों को सौंपा है।

खेल समाचार

भारतीय क्रिकेट टीम में नए कोच की एंट्री, साईराज बहुतुले को मिली ये जिम्मेदारी

मुंबई (ए.)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर साईराज बहुतुले भारत की सीनियर मेंस क्रिकेट टीम के स्पिन बॉलिंग कोच नियुक्त किए गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। बहुतुले सभी फॉर्मेट में भारत के अगली पीढ़ी के स्पिनर्स का मार्गदर्शन करेंगे।

बीसीसीआई की तरफ से जारी बयान में कहा गया, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि साईराज बहुतुले को भारतीय क्रिकेट टीम (सीनियर पुरुष) का स्पिन बॉलिंग कोच नियुक्त किया गया है।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कोचिंग का अच्छा-खासा अनुभव हासिल करने के बाद बहुतुले इस भूमिका में आए हैं। अपनी नियुक्ति पर खुशी जताते हुए बहुतुले ने कहा, भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का स्पिन बॉलिंग कोच नियुक्त होना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। बतौर खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत गर्व की बात थी। अब कोचिंग की भूमिका में भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर योगदान देने का मौका मिलना बहुत खास है। मैं खिलाड़ियों के साथ काम करने और सभी फॉर्मेट में टीम की बेहतरीन प्रदर्शन की कोशिशों में उनका साथ देने के लिए उत्सुक हूं। भारत के लिए 2 टेस्ट और 8 वनडे मैच खेल चुके बहुतुले ने 188 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 31.83 की औसत के साथ 6,176 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 9 शतक और 26 अर्धशतक निकले। फर्स्ट क्लास में उनके नाम 630 विकेट भी हैं।

रिटायर होने के बाद, बहुतुले भारतीय क्रिकेट के सबसे सम्मानित कोच में से एक बने। उन्होंने विदर्भ, केरल, गुजरात और बंगाल की टीमों के हेड कोच के तौर पर काम किया। इसके अलावा, राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स जैसी आईपीएल टीमों के लिए स्पिन बॉलिंग कोच की भूमिका भी निभाई। बहुतुले ने कई मौकों पर इंडिया 'ए' और सीनियर पुरुष टीम के साथ एक स्पेशलिस्ट बॉलिंग कोच के तौर पर भी करीब से काम किया है। साल 2021 से 2024 तक, वह बीसीसीआई की नेशनल क्रिकेट एकेडमी (जिसे अब 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के नाम से जाना जाता है) के कोचिंग स्टाफ का एक अहम हिस्सा थे, जहां उन्होंने उभरती हुई प्रतिभाओं को निखारने में मदद की।

आकाश चोपड़ा की नजर में वैभव 'आईपीएल 2026' के बेस्ट ओपनर, भुवनेश्वर सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज

नई दिल्ली (ए.)। आईपीएल 2026 का सीजन रोमांच और दमदार प्रदर्शन से भरा रहा। हर सीजन की तरह इस बार भी कई खिलाड़ियों ने अपने खेल से प्रभावित किया। इस बीच, भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने इस सीजन बेस्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चुनाव किया है। आकाश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में पंजाब किंग्स के खिलाफ केएल राहुल की 67 गेंदों में 152 रनों की नाबाद पारी को इस सीजन की सर्वश्रेष्ठ इनिंग बताया। राहुल ने अपनी इस पारी में 16 चौके और 9 छक्के लगाए थे। उनकी इस इनिंग के दम पर दिल्ली कैपिटल्स 20 ओवर में 2 विकेट गंवाकर स्कोबोर्ड पर 264 रन लगाने में सफल रही थी, जो टीम का सबसे बड़ा स्कोर भी रहा।

वहीं, आकाश ने राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी को 'आईपीएल 2026' का बेस्ट ओपनर बताया। उन्होंने कहा कि 15 वर्षीय बल्लेबाज के आसपास कोई भी नहीं रहा। वैभव के लिए यह सीजन शानदार रहा और उन्होंने 16 मुकाबलों में 237 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 776 रन बनाए। वैभव ने 'आईपीएल 2026' में कई बड़े रिकॉर्ड्स को अपने नाम किया। वह एक सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने 72 छक्के लगाते हुए क्रिस गेल (59 छक्के) का रिकॉर्ड भी तोड़ा। वहीं, वैभव ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा बल्लेबाज भी बने। वह एक सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले अनकैप्ड बल्लेबाज भी बने।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में फ्लाप रहीं मंधाना

स्मृति मंधाना के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड, पहली बार हुआ ऐसा हाल

टांटन (ए.)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में भी असफल रहीं और 9 गेंदों में 8 रन ही बना पायी।

इसी के साथ ही मंधाना के नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगी। इस सीरीज में वह केवल 40 रन ही बना पायीं। यह इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज में मंधाना का अब तक का सबसे कम स्कोर है। इस पूरी सीरीज में मंधाना का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। पहले मुकाबले में वह खाता भी नहीं खोल पायीं। दूसरे टी20 में उन्होंने 32 रन जबकि तीसरे और अंतिम मैच में 8 रन बनाये। ये इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी तीन टी20 मैचों की सीरीज में उनका अब तक का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले उनका इंग्लैंड के खिलाफ न्यूनतम सीरीज स्कोर 57 रन था, जो उन्होंने 2021 में बनाया था।

अंतिम टी20 में मंधाना ऑफ स्पिनर चार्ली डीन का शिकार बनीं। इस विकेट के साथ ही ऑफ स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ मंधाना की कमजोरी एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। चार्ली डीन के खिलाफ टी20 मैचों में मंधाना का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। उन्होंने डीन के खिलाफ अब तक 59 गेंदें खेली हैं, जिनमें केवल 49 रन बनाए हैं और दो बार अपना विकेट खोया है। यह दिखाता है कि ऑफ स्पिनर मंधाना के लिए लगातार परेशानी का कारण बनी हुई हैं।

भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंद ने रचा इतिहास, नॉर्वे शतरंज में कार्लसन को दूसरी बार हराया

नई दिल्ली(ए.)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने नॉर्वे चेस 2026 में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए विश्व नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल मुकाबले में पराजित कर दिया। यह इस टूर्नामेंट में कार्लसन के खिलाफ

उनकी दूसरी क्लासिकल जीत है।इस जीत के साथ प्रज्ञानंद एक ही नॉर्वे चेस संस्करण में कार्लसन को दो बार क्लासिकल प्रारूप में हराने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इसके अलावा, वह वर्ष 2026 में विश्व नंबर-1 खिलाड़ी को क्लासिकल मुकाबलों में दो बार हराने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं।मुकाबले के बाद कार्लसन के चेहरे पर निराशा साफ दिखाई दी। उन्होंने प्रज्ञानंद से हाथ मिलाया और खेल क्षेत्र से बाहर चले गए। यह हार कार्लसन के लिए बड़ा झटका मानी जा रही है, क्योंकि इससे उनके आठवें नॉर्वे चेस खिताब की राह कठिन हो सकती है।20 वर्षीय प्रज्ञानंद इस जीत के बाद 12 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं और खिताब की दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं। वहीं कार्लसन का प्रदर्शन इस बार उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्हें अब तक चार क्लासिकल मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है, जिनमें दो हार प्रज्ञानंद के खिलाफ आई हैं।

फीफा विश्वकप में खेलते नजर आयेंगे भारतीय मूल के ये चार फुटबॉलर

कोलकाता (ए.)। 11 जून से अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में शुरु हो रही फीफा विश्कपकप फुटबॉल को लेकर दुनिया भर की तरह ही भारत में भी फुटबॉल प्रशंसक उत्साहित हैं।देश में इसके प्रसारण को लेकर गतिरोध समाप्त होने से भी फुटबॉल प्रशंसक टीवी पर मैच देखने को लेकर उत्साहित हैं। इस बार विश्वकप में भारतीय मूल के चार खिलाड़ी भी खेलते नजर आयेंगे। ये सभी अलग-अलग देशों की ओर से उतर रहे हैं।

भारतीय प्रशंसक भी इन सभी को खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे हैं।इस बार कुल 48 टीमें विश्व कप में हिस्सा ले रही हैं। विश्वकप में खेलने वाले भारतीय मूल के ये फुटबॉलर हैंतहसीन जमशीद : 19 वर्षीय विंगर तहसीन जमशीद, जिनका जन्म दोहा में हुआ, लेकिन उनकी जड़ें केरल के कन्नूर जिले से जुड़ी हैं। उनके माता-पिता मलयाली हैं वह कतर टीम से खेल रहे हैं। तहसीन को कतर की प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है, और केरल के प्रशंसको को पूरी उम्मीद है कि वह अंतिम टीम में भी जगह बना पाएंगे। तहसीन के पिता भी पूर्व फुटबॉलर रह चुके हैं और उन्होंने कतर के लिए अंडर-17 और अंडर-19 स्तर पर खेला है। सरप्रीत सिंह : न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले सरप्रीत सिंह पर भी सबकी निगाहें होंगी। 27 वर्षीय सरप्रीत एक अटैकिंग मिडफील्डर हैं, जिनके परिवार का संबंध पंजाब के जालंधर से है। वह 2018 से न्यूजीलैंड की सीनियर टीम के लिए खेल रहे हैं और अब तक तीन महत्वपूर्ण गोल दाग चुके हैं। सैमुअल मुतुसामी : कांगो की टीम में तमिल मूल के खिलाड़ी सैमुअल मुतुसामी को जगह मिली है। 29 वर्षीय यह डिफेंसिव मिडफील्डर पेरिस में जन्मे हैं, उनकी मां कांगो की हैं जबकि पिता तमिल मूल के इंडो-गुआराडेलूपियन हैं। सैमुअल ने 2019 में कांगो के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। निशान वेलुपिल्ले : इस सूची में चौथा नाम निशान वेलुपिल्ले का है, जो ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हैं। एक विंगर के रूप में खेलने वाले निशान के पिता तमिलनाडु से जुड़े एक मलेशियाई नागरिक हैं, जबकि उनकी मां एंग्लो-इंडियन हैं। यह बात भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए और भी खास है क्योंकि 2006 के बाद यह पहला विश्व कप होगा, जिसमें कोई भारतीय मूल का खिलाड़ी दिखाई देगा।

भारत का ऐतिहासिक न्यूजीलैंड दौरा : 40 दिनों में 12 मैच, अक्टूबर-दिसंबर तक मेगा टूर

न्यूजीलैंड(ए.)। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने बुधवार को अपने घरेलू अंतरराष्ट्रीय सत्र 2026/27 का शेड्यूल जारी कर दिया है। इसका सबसे बड़ा आकर्षण भारत का ऐतिहासिक दौरा होगा। अक्टूबर से दिसंबर तक भारत की पुरुष टीम न्यूजीलैंड के अब तक के सबसे बड़े द्विपक्षीय क्रिकेट दौरे पर जाएगी। इस दौरान कुल 12 मैच, पांच टी20, पांच वनडे और दो टेस्ट मैच, खेले जाएंगे।

भारतीय टीम 22 अक्टूबर से 1 दिसंबर 2026 तक न्यूजीलैंड दौरे पर रहेगी। यह दौरा न्यूजीलैंड क्रिकेट के इतिहास में किसी भी विदेशी टीम के सबसे बड़े इनबाउंड दौरों में से एक माना जा रहा है। पांच प्रमुख शहरों में मैच आयोजित किए जाएंगे। न्यूजीलैंड सरकार ने भी इस दौरे को पूरा समर्थन देने की घोषणा की है। यह समर्थन भारत और न्यूजीलैंड के बीच लगभग 100 वर्षों पुराने खेल संबंधों को समर्पित है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के मुख्य मार्केटिंग और कमर्शियल अधिकारी ग्लेन क्रिचली ने कहा, यह एक पीढ़ी में एक बार आने वाला मौका है। जब क्रिकेट की बात आती है तो भारत से बड़ा कुछ नहीं है। हम न्यूजीलैंड के लोगों को ऐसा दौरा देने जा रहे हैं जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। यह सिर्फ क्रिकेट नहीं, बल्कि दोनों देशों के साझा इतिहास, संस्कृति और बढ़ती दोस्ती का उत्सव होगा।

भारत का न्यूजीलैंड दौरा टी20 सीरीज से शुरू होगा। पहला टी20 मैच 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल में खेला जाएगा। दूसरा टी20 24 अक्टूबर को भी क्राइस्टचर्च में होगा। तीसरा टी20 मैच 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में, चौथा टी20 30 अक्टूबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में और पांचवां तथा अंतिम टी20 मैच 1 नवंबर को हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेला जाएगा।

टी20 सीरीज के बाद पांच मैचों की वनडे सीरीज शुरू होगी। पहला वनडे 4 नवंबर को ऑकलैंड में, दूसरा वनडे 7 नवंबर को वेलिंगटन में, तीसरा वनडे 10 नवंबर को हैमिल्टन में होगा। चौथा और पांचवां वनडे क्रमश: 13 और 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई (टौरंगा) के बे ओवल में खेले जाएंगे।

इसके बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज होगी। पहला टेस्ट मैच 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में खेला जाएगा। दूसरा और अंतिम टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर 2026 तक क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल में आयोजित होगा। यह पूरा दौरा 22 अक्टूबर से 1 दिसंबर 2026 तक चलेगा।

स्काई न्यूजीलैंड अगले छह सीजन के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का आधिकारिक ब्रॉडकास्टर बनेगा। स्काई के स्पोर्ट्स कंटेंट प्रमुख गैरी बर्चेट ने कहा कि भारत का दौरा दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट आकर्षण है और वे इसे यादगार प्रसारण अनुभव बनाएंगे। टिकटों की भारी मांग की उम्मीद है। फैंस को सलाह दी गई है कि वे अगस्त में शुरू होने वाली एक्सक्लूसिव मेंबर प्री-सेल के लिए क्रिकेट नेशन पर रजिस्ट्रेशन करा लें।

पिछले कुछ वर्षों में दोनों टीमों के बीच कई यादगार मुकाबले हुए हैं। 2019 विश्व कप सेमीफाइनल, 2021 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल, 2023 विश्व कप सेमीफाइनल, 2024 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल और हालिया टी20 विश्व कप फाइनल में दोनों टीमें कई बार आमने-सामने आई हैं। इस साल जनवरी में दोनों टीमों के बीच भारत में सीमित ओवरों की सीरीज खेली गई थी।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ ने दिया धरना

जायज मांगो के लिए सौंपा गया ज्ञापन

नर्मदापुरम(निप्र)। मध्यप्रदेश महिला बाल विकास विभाग मै कार्यरत आंगनबाडी कार्यकर्ता और सहायिकाओ के प्रदेश आह्वान पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ की जायज मांगो का ज्ञापन दिया गया। पिछले 50 बर्षों से शासन की सभी कल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर फलीभूत कर रही है आम नागरिकों के जन्म से लेकर मृत्यु तक की सभी योजनाएं विना इनके सहयोग के पूर्ण नहीं होती है जन्म पंजीयन से लेकर सभी लाभकारी योजनाओं को इनके माध्यम से हि पूर्ण कराया जा रहा है। किसी भी विभाग का कार्य विना इनके सहयोग के पूर्ण नहीं होता जो कार्य नियमित कर्मचारी जो की लाखो बेतन ले रहे है। अल्प मानदेय बाली कार्यकराओ से पूर्ण कार्य कराये जा रहे है। जनगणनाए जन सुबवाई, लाडली बहना योजना, मतदाता पुनरिक्षण, बीएलओ, फायलेरिया, मलेरिया, मच्छरदानी वितरण, शौचालय सर्वे, किसी भी एनजीओ का सहयोग करना ग्रामसभा किसी भी जान कल्याणकारी योजना में आंगनबाडी कार्यकर्ता और सहायिका का सहयोग लिया जाता है इन को सहयोग न करने पर पद से पृथक करने की दमकी भी दी जाती है साथ हि उनका खुद का विभागीय कार्य भी पूर्ण नहीं हो पता जिससे उनके मानदेय में भी काटोत्री की जाती है इस तरह वह मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान हो जाती है। संघ की महिलाओं ने प्रशांत दुबे चौक पत्रकार भवन के समक्ष धरना देकर अपनी आबाज बुलंद की तथा उसके बाद ज्ञापन सौंपने के लिए कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली।

यह हैं प्रमुख मांगे

मप्र में महिला बाल विकास विभाग में कार्यरत समस्त कार्यकर्ता और सहायिकाओ को राज्य अंतर्गत राज्य कर्मचारी के रूप में नियमित करते हुए सभी सुविधाओं का लाभ दिया जाये।

कार्यकर्ताओ और सहायिकाओ को न्यूनतम पेंशन कम से कम 5000 रुपये दी जाये। केंद्रीय कर्मचारिओं की तरह रिटायरमेंट की आयु 65 बर्ष की जाये। कार्यकर्ता और सहायिका के मानदेय में जो पचास प्रतिशत का अंतर है उसको कम किया जाये क्यूंकि समय सहायिकाओ का भी उपयोग हो रहा है और मंहगाई भी बराबर बढ़ रही है। मृत्यु होने पर उनकी बहु और बेटी को अनुकम्पा नियुक्ति दी जाये। कार्य के दौरान मृत्यु होने पर उनको सांत्वना राशि कम से कम 5 लाख दी जाये। सभी आंगनबाडी केन्द्रो पर टीएचआर की आपूर्ति केन्द्रो पर हि कराई जाये और प्रतिमाह कराई जाये। कार्यकर्ताओ को आयु सीमा के वंधन हटाते हुए पदोन्नति दी जाये। कार्यकर्ताओ और सहायिकाओ को विभागीय कार्य के अलावा सभी कार्यों से मुक्त रखा जाये। आंगनबाडी कार्यकर्ताओ और सहायिकाओं को किसी भी अधिकारी के द्वारा सेवा से पृथक करने की कार्यवाही नहीं की जानी चाहिए यह विभागीय अधिकारिओ के अधिकार सुरक्षित रहे।

इस ज्ञापन सौंपने के दौरान वंदना राजौरिया प्रदेश उपाध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ मध्यप्रदेश प्रीति यदुवंशी प्रदेश उपाध्यक्ष आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ मध्य प्रदेश अर्चना राजपूत जिला उपाध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ नर्मदापुरम कुंती विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ जिला नर्मदा पुरमए सीमा गोहले जिला सचिव आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ जिला नर्मदापुरम जाहिर अली जिला कोषाध्यक्ष आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ जिला नर्मदापुरम और जिले की समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका उपस्थित रही।

पंचायत नामा : ग्राम पंचायत रेसलपुर बनी आत्मनिर्भरता की मिसाल

स्वयं की आय से कराया भव्य स्वागत द्वार, विश्राम भवन एवं वृक्षारोपण कार्य

नर्मदापुरम (निप्र)। जनपद पंचायत नर्मदापुरम अंतर्गत ग्राम पंचायत रेसलपुर ने ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भरता का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। सामान्यत: विकास कार्यों के लिए शासकीय अनुदान एवं बजट पर निर्भर रहने वाली पंचायतों के विपरीत रेसलपुर पंचायत ने अपनी स्वयं की आय एवं टैक्स वसूली की राशि का सदुपयोग कर गांव को नई पहचान दिलाई है। पंचायत द्वारा ग्रामीणों के सहयोग एवं प्रभावी टैक्स वसूली से प्राप्त राशि से गांव में भव्य स्वागत द्वार, राहगीरों एवं ग्रामीणों की सुविधा हेतु आधुनिक विश्राम भवन का निर्माण कराया गया है। साथ ही पंचायत क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्य कर हरियाली को भी बढ़ावा दिया गया है। ग्राम पंचायत की इस उपलब्धि के पीछे सरपंच श्रीमती मालती झाल्या, सचिव सुरेंद्र सिंह चौहान एवं ग्राम रोजगार सहायक देवेंद्र केवट की कुशल कार्यप्रणाली एवं दूरदर्शी सोच को प्रमुख कारण माना जा रहा है। इनके समन्वित प्रयासों से पंचायत में शत-प्रतिशत टैक्स वसूली सुनिश्चित हुई तथा प्राप्त राशि का पारदर्शी तरीके से जनहित के कार्यों में उपयोग किया गया। ग्रामीणों ने पंचायत की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जब टैक्स की राशि गांव के विकास एवं सौंदर्यीकरण में उपयोग होती दिखाई देती है, तो लोगों में भी समय पर टैक्स जमा करने की जागरूकता एवं जिम्मेदारी बढ़ती है।

भव्य स्वागत द्वार, विश्राम भवन एवं हरियाली के कारण अब रेसलपुर क्षेत्र की सुंदर एवं व्यवस्थित पंचायतों में अपनी विशेष पहचान बना चुका है। ग्राम पंचायत रेसलपुर की यह पहल अन्य पंचायतों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन रही है, जहां स्थानीय संसाधनों एवं जनसहभागिता के माध्यम से विकास कार्यों को गति दी जा सकती है।

पूर्व मंत्री एवं विधायक अजय सिंह राहुल संवाद एवं सम्पर्क कार्यक्रम में शामिल हुए

नर्मदापुरम (निप्र)। पूर्व मंत्री एवं विधायक अजय सिंह राहुल ने संवाद एवं सम्पर्क कार्यक्रम के तहत नर्मदापुरम् शहर में कार्यकर्ताओं से संवाद किया इस दौरान श्री सिंह अपने पुराने साथी पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी संतोष तोमर पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष कपिल फौजदार अनोखी राजोरिया के निवास पर पहुंचकर नगर के कांग्रेस जन से मुलाक़ात की इस अवसर पर उनके साथ जिला संगठन प्रभारी पूर्व विधायक संजय शर्मा जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत पाण्डेय गुड्डन प्रदेश महामंत्री महेन्द्र सिंह चौहान केलु उपाध्याय महेंद्र शर्मा चंद्रगोपाल मलैया राममोहन मलैया अजय पटेल अजय सैनी बिजय सिंह राठौर मीना वर्मा अरुण दीक्षित गुलाम हैदर नसीम कुरैशी मंजूलमनी ढिमोले कुलदीप राठौर अमित खत्री जागेश यादव सलीम राजू मिश्रा तेजकुवंर सिसोदिया सोनू गक्खर सहित अन्य कांग्रेस जन मौजूद रहे।

एनसीसी केडिट्स जम्मू कश्मीर माउंटेन कैंप में दिखाएंगे अपना प्रदर्शन

नर्मदापुरम(निप्र)। 13 मध्यप्रदेश बटालियन के एनसीसी केडिट्स जम्मू कश्मीर माउंटेन कैंप में दिखाएंगे अपना प्रदर्शन 13 मध्यप्रदेश बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल एसपी सिंह एडम आफिसर लेप्टिनेंट विवेक सिंह चुंडावत सूबेदार मेजर वीसी तिलक के दिशा निर्देश में पहलगाम जम्मू कश्मीर में बेसिक माउंटेन कैंप के लिए हवलदार भंवर लाल के साथ एनसीसी केडिट्स रवाना हुए। जहां एनसीसी कैडेट्स के लिए नियमित रूप से विशेष पर्वतारोहण और साहसिक शिविर आयोजित किए जाएंगे। पहलगाम में एनसीसी कैम्प 6 जून से 29 जून के बीच आयोजित इस कोर्स में देश भर के एनसीसी कैडेट्स हिस्सा ले रहे है। इनमें दिल्ली और मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों के कैडेट्स शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण में कैडेट्स को पहाड़ों पर जीवित रहने, रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, रिवर क्रॉसिंग, ट्रेकिंग, और जिप लाइनिंग का गहन सैन्य एवं साहसिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। कैम्प का मुख्य उद्देश्य इन कठिन अभियानों के जरिए कैडेट्स का शारीरिक और मानसिक विकास नेतृत्व क्षमता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा दिया जाना है। वहीं 3 जून से 14 जून तक भोपाल में आयोजित आर्मी अटैचमेंट कैंप के लिए एनसीसी केडिट्स को लेकर लैपटिनेंट आईएएस एकनेश रवाना हुए। ये कैंप मुख्य रूप से राष्ट्रीय कैडेट कोर के लिए आयोजित किए जाने वाले विशेष प्रशिक्षण शिविर हैं। इनका उद्देश्य कैडेट्स को वास्तविक सैन्य जीवन युद्ध कौशल हथियार चलाने और सेना के सख्त अनुशासन का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। वहीं भोपाल में आयोजित टीएस सी प्रशिक्षण के लिए हवलदार अजीत कुमार के साथ एनसीसी केडिट्स का दल रवाना हुआ जहां पर फायरिंग और वेपन ट्रेनिंग हथियारों को चलाने और सटीकता का अभ्यास फील्ड क्राफ्ट और बैटल क्राफ्ट युद्ध के मैदान में इस्तेमाल होने वाली रणनीतियां से की कैंडिट्स को जानकारी दी जाएगी। बेहतर प्रदर्शन करने वाले एनसीसी केडिट्स आगे राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचेंगे। नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन पर इन केडिट्स को शुभकामनाएं एवं कैंप में सफल होने हेतु 13 मध्यप्रदेश बटालियन के सूबेदार राकेश कुमार सेकेंड आफिसर विजय प्रकाश श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित हुए।

एसडीएम सिवनी मालवा के नेतृत्व में ग्राम चौतलाय का संयुक्त निरीक्षण, विकास कार्यों का लिया जायजा

नर्मदापुरम (निप्र)। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनी मालवा के नेतृत्व में तहसीलदार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, नायब तहसीलदार, एसडीओ पीएचई, सीपीओ एवं अन्य विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्राम चौतलाय का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम में संचालित विभिन्न विकास कार्यों का मौके पर अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने मंदिर, तालाब, सड़क निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। साथ ही निर्माणाधीन स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर संबंधित एजेंसियों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।संयुक्त दल द्वारा विद्यालय एवं आंगनवाड़ी केंद्रों का भी निरीक्षण किया गया तथा उनकी भौतिक स्थिति का मूल्यांकन कर आवश्यक सुधार संबंधी निर्देश संस्था प्रभारियों को दिए गए। आगामी शैक्षणिक सत्र को दृष्टिगत रखते हुए शैक्षणिक संस्थानों की तैयारियों का भी अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम सरपंच एवं पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मीनाक्षी क्षेत्र स्थित भवानी चौक के मंदिर की पुनर्स्थापना के द्वितीय वर्ष पर भजन संध्या कल

भवानी चौक का सौंदर्यीकरण और चौड़ीकरण पालिका की उपलब्धि, पर्यावरण दिवस के अवसर पर अवधूत सिद्ध महायोगी दादागुरू का रहेगा पावन सानिध्य

नर्मदापुरम(निप्र)। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव की विशेष रूचि से उनके वार्ड से लगे हुए हिस्से मीनाक्षी क्षेत्र स्थित भवानी चौक का सौंदर्यीकरण और चौड़ीकरण होने से आवागमन में सुधार हुआ है। यह उनकी विशेष उपलब्धि में शामिल है। देवी जी और हनुमान जी और शिवजी के मंदिर को एक ही स्थान पर पुनर्स्थापन किए हाई मास्क लैंप लगाए जाने से यह चौक काफी व आकर्षक हो गया है। विधायक प्रतिनिधि व भवानी चौक इच्छापूर्ति दुर्गा मंदिर समिति के अध्यक्ष महेंद्र यादव ने बताया कि 5 जून को भव्य मंदिर निर्माण की स्थापना के द्वितीय वर्ष व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अवधूत सिद्ध महायोगी दादागुरू के पावन सानिध्य में विशाल भजन संध्या का आयोजन 5 जून को रात्रि 8 बजे से होगा। जिसमें सुप्रसिद्ध भजन गायिका शहनाज अख्तर अपनी मधुर प्रस्तुति से भक्ति रस की अमृत वर्षा करेंगी। महेंद्र यादव ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस

के इस विशेष अवसर पर धर्म भक्ति और संस्कृति के इस दिव्य आयोजन में अपनी उपस्थिति देकर पुण्य लाभ लें।

स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु अभियान के तहत ग्राम पंचायत सेमरी हरचंद में आयोजित हुई जागरूकता बैठक

नर्मदापुरम(निप्र)। स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु अभियान के अंतर्गत 01 जून 2026 से 05 जून 2026 तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 03 जून 2026 को जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत सेमरीहरचंद में ग्रामीण जनों एवं बाजार के व्यापारियों के साथ जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, कचरे को कम करने के व्यवहार को अपनाने तथा एकल उपयोग प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उपस्थित ग्रामीणों एवं व्यापारियों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए दैनिक जीवन में स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

संत रविदास स्वरोजगार एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना हेतु आवेदन आमंत्रित

नर्मदापुरम(निप्र)। म.प्र. राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम मर्यादित, भोपाल द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए संत रविदास स्वरोजगार योजना एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना अंतर्गत लक्ष्य प्राप्त हुए हैं। उक्त योजनाओं के लक्ष्य पूर्ति हेतु नर्मदापुरम जिले के अनुसूचित जाति वर्ग के पात्र आवेदकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं। योजनाओं के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को स्वरोजगार स्थापित करने एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इच्छुक आवेदक निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन प्रस्तुत कर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। योजनाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी संबंधित विभागीय कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

राज्य अनुसूचित आयोग के सदस्य बारेलाल अहिरवार नर्मदापुरम पहुंचे, विभागीय योजनाओं की समीक्षा की

नर्मदापुरम(निप्र)। राज्य अनुसूचित आयोग के सदस्य बारेलाल अहिरवार नर्मदापुरम प्रवास पर पहुंचे। विश्राम गृह में उन्होंने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग से संबंधित योजनाओं एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन, पात्र हितग्राहियों को लाभ वितरण तथा सामाजिक उत्थान से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। सदस्य श्री अहिरवार ने योजनाओं के प्रभावी संचालन एवं हितग्राहियों तक समय पर लाभ पहुंचाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। प्रवास के दौरान श्री अहिरवार ने सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों से भी मुलाकात कर सामाजिक सरोकारों एवं जनहित से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया।

तवा परियोजना से मूंग सिंचाई कार्य लक्ष्य अनुरूप पूर्ण, 43 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को मिला लाभ

नर्मदापुरम (निप्र)। किसानों को कृषि कार्य हेतु सुगम सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नर्मदापुरम संभाग में संभाग आयुक्त श्रीकांत बनोठ के निर्देशानुसार सिंचाई के लिए जल आपूर्ति सुनिश्चित की गई। नर्मदापुरम जिले के साथ-साथ हरदा जिले के किसानों को भी इसका लाभ प्राप्त हुआ। तदनुसार नर्मदापुरम जिले में जायद फसल मूंग की सिंचाई हेतु तवा परियोजना अंतर्गत आने वाली नहरों के माध्यम से किसानों को निरंतर पानी की आपूर्ति की गई। तवा परियोजना से मूंग सिंचाई कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। दिनांक 02 जून 2026 को तवा बांध की बाई तट मुख्य नहर को बंद किया गया। उक्त नहर के माध्यम से नर्मदापुरम जिले में लगभग 43 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में मूंग फसल की सिंचाई लक्ष्य अनुरूप शत-प्रतिशत पूर्ण की गई। सिंचाई व्यवस्था के सुचारू संचालन से किसानों को समय पर पर्याप्त पानी उपलब्ध हुआ, जिससे जायद फसल उत्पादन को बढ़ावा मिला तथा कृषि कार्यों में सुविधा सुनिश्चित हुई।

पत्रकारों की सुरक्षा और आवास की व्यवस्था उनका बुनियादी अधिकार: कानूनगो

नर्मदांचल पत्रकार संघ के भवन में हुई परिचर्चा

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो पत्रकार भवन में एक परिचर्चा एवं संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। नर्मदांचल पत्रकार संघ के अध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी सहित प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों, अधिवक्ताओं और विशिष्ट जनों ने श्री कानूनगो का माल्यार्पण कर स्वागत किया।परिचर्चा के दौरान श्री कानूनगो ने मानवाधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी और पत्रकारों से संवाद किया। श्री कानूनगो ने कहा कि साल 2014 के बाद देश में पत्र.पत्रिकाओं की संख्या में भारी वृद्धि हुई है, जो अब बढ़कर करीब 1 लाख 50 हजार तक पहुँच गई है। वर्तमान में चार लाख से ज्यादा पत्रकार फील्ड में काम कर रहे हैं 900 टीवी चैनल डिजिटल रूप में सक्रिय हैं। सोशल मीडिया और यूट्यूब के इस दौर में पत्रकारों की संख्या और दायरा काफी बढ़ा है।

पत्रकारों की सुरक्षा और आवास मिलना चाहिए

श्री कानूनगो ने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा और आवास की व्यवस्था उनका बुनियादी अधिकार है और इसे लेकर हर स्तर पर ठोस प्रयास होने चाहिए। पत्रकारों की सुरक्षा बेहद जरूरी है और यह उन्हें मुहैया कराई जानी चाहिए। अतीत का एक संस्मरण साझा करते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकारों को हमेशा एकजुट रहना चाहिए। पत्रकार एक ही बिरादरी का होता है इसमें कोई छोटा या बड़ा नहीं होता। संकट के समय हमें एक.दूसरे की मदद की आवश्यकता होती है, इसलिए पत्रकार बिरादरी की एकता अनिवार्य है।

संगोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल तिवारी, बलराम शर्मा, धर्मेंद्र दीवान, राजेंद्र परिहार, मनोज चौरे, राजीव अग्रवाल, डॉ. सीमा केथवास, विजय कुंभारे मनोज सोनी विपिन महंत, मुकेश भदोरिया, कमल चाव्हाण, दयाराम फौजदार, मदन शर्मा, प्रदीप गुप्ता, रुद्र प्रताप, पुरुषोत्तम मालवीय, हेमंत राजपूत, एनडी दीक्षित, पूर्व अधिवक्ता संघ अध्यक्ष प्रदीप चौबे, मनोज जराठे, केएन त्रिपाठी, डॉ मयंक तौमर, इंद्र कुमार सोनी, अजय शर्मा, हिना अली, खुशबू बूलचंदानी, दुर्गेश भट्ट मनीष सोलंकी राजीव दुबे राजेश रैंकवार अनिल कहार सौरभ परदेसी मनोज यादव अनूप तोमर अनंत तिवारी मनीष तिवारी गोविंद चौधरी एवं गोलू अवस्थी सहित बड़ी संख्या में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार, अधिवक्ता और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान श्री कानूनगो को माँ नर्मदा की छायाचित्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान से कोई समझौता नहीं

श्री कानूनगो ने परिचर्चा में आवास और सुरक्षा सहित कई प्रमुख मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। पत्रकार भवन में उपस्थित को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज के दौर में निष्पक्ष पत्रकारिता करना एक बड़ी चुनौती है। पत्रकार विपरीत परिस्थितियों में भी समाज को आईना दिखाने का काम करते हैं, इसलिए उनकी सामाजिक और भौतिक सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है।उन्होंने कहा कि पत्रकारों के लिए सुरक्षित और सुलभ आवास की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि वे बिना किसी मानसिक तनाव के अपने दायित्वों का निर्वाह कर सकें।

फील्ड में काम करने वाले पत्रकारों को अक्सर कई तरह के जोखिमों का सामना करना पड़ता है, उनके खिलाफ होने वाली किसी भी प्रकार की हिंसा या प्रताड़ना को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने स्थानीय प्रशासन और शासन स्तर पर भी पत्रकारों की न्यायसंगत मांगों को सही मंच पर उठाने की बात कही। इसके साथ ही सुरक्षा, बीमा और मानदेय सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विमर्श हुआ। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों ने संवाद किए। आवास आवंटन और कार्यस्थल पर आने वाली सुरक्षा संबंधी अड़चनों से उन्हें अवगत कराया, जिस पर उन्होंने सकारात्मक पहल करने का भरोसा दिया। संचालन विजय कुंभारे ने आभार प्रदर्शन बलराम शर्मा द्वारा ने गया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एवं ब्यूरो प्रमुख श्री कृष्णाकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस, तलैया भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरो प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com